www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल
वर्षः 6 अंक 112
बुधवार 10 जून, 2026

तापमान
अधिकतम 39°C
न्यूनतम 27°C

मूल्य 2 रुपए | पृष्ठ-8 | मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित | www.tarunmitra.in

ट्रंप को झटका, एच-1 बी वीजा पर भारी शुल्क रद्द

- संघीय अदालत के फैसले से भारतीय पेशेवरों और कंपनियों को मिली बड़ी राहत

वाशिंगटन, 09 जून। अमेरिका में एच-1 बी वीजा धारकों और उन्हें नियुक्त करने वाली कंपनियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। मैसाचुसेट्स की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन द्वारा नए एच-1 बी वीजा आवेदनों पर लगाए गए एक लाख अमेरिकी डॉलर के अतिरिक्त शुल्क को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इतना बड़ा शुल्क लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को नहीं है और इस तरह का कर या शुल्क केवल अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी से ही लगाया जा सकता है।

ट्रंप प्रशासन ने सितंबर 2025 में एक उद्घोषणा के माध्यम से नए एच-1 बी वीजा आवेदनों पर एक लाख डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लागू किया था। प्रशासन का तर्क था कि इससे अमेरिकी नागरिकों के रोजगार हितों की रक्षा होगी और विदेशी कर्मचारियों पर निर्भरता कम होगी। हालांकि, इस फैसले को कई उद्योग संगठनों, तकनीकी कंपनियों और भारतीय मूल के प्रवासी संगठनों ने अदालत में चुनौती दी थी। अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) के नीति एवं रणनीति प्रमुख खंडेराव कंड ने कहा कि इससे रोजगार आधारित आव्रजन व्यवस्था में निष्पक्षता और स्थिरता कायम होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका की तकनीकी, स्वास्थ्य सेवा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों की निरंतर प्रगति के लिए वैश्विक प्रतिभाओं तक पहुंच आवश्यक है।

वहीं, इंडियास्पोरा के कार्यकारी निदेशक संजीव जोशीपुरा ने फैसले को राहत भरा बताते हुए कहा कि कानूनी जीत के बावजूद यह देखना होगा कि ट्रंप प्रशासन आगे क्या रुख अपनाता है।

मोदी सरकार के 12 वर्षों पर सियासी संग्राम

एनडीए ने उपलब्धियां गिनाईं, कांग्रेस ने आर्थिक मोर्चे पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया

उपलब्धि

- प्रधानमंत्री बोले-12 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत को मिली नई गति
- मोदी ने बिना अवकाश राष्ट्रहित को दी सर्वोच्च प्राथमिकताः शाह
- गृह मंत्री ने जनकल्याण योजनाओं और विकास का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड रखा
- विपक्ष ने रोजगार, महंगाई, किसानों और शिक्षा व्यवस्था पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 09 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को सियासी माहौल पूरी तरह सरकार की उपलब्धियों और विपक्ष के आरोपों के इर्द-गिर्द घूमता रहा। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा नेतृत्व ने सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास और आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियों को देश के सामने रखा, वहीं कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक कुप्रबंधन, पेपर लीक और किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि पिछले 12 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित होकर देश ने मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण को सेवा और समर्पण का परिणाम बताते हुए एक संस्कृत सुभाषित साझा किया, जिसमें समाज के कल्याण और सदाचार को सच्चे बुद्धिमान व्यक्ति का गुण बताया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करना है। इसी अवसर पर भाजपा मुख्यालय में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और जनकल्याण का नया अध्याय लिखा है।

उन्होंने गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसानों के हित, डिजिटल परिवर्तन और आधारभूत संरचना के विस्तार को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सरकार के कार्यकाल को गरीब कल्याण और विकास का संतुलित मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, करोड़ों परिवारों को पक्के मकान, उज्ज्वला योजना का लाभ, स्वास्थ्य बीमा और तेजी से विकसित होते सड़क, रेल तथा हवाई संपर्क जैसी योजनाओं ने देश के विकास की नई तस्वीर पेश की है। शाह ने कहा कि साफ नीयत और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने वाली सरकार के कारण भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन 12 वर्षों में एक भी दिन अवकाश नहीं लिया और देश सेवा में जुटे रहे। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी लेख लिखकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने कुवैत के अमीर से की बात, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा

नई दिल्ली, 09 जून (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबा से टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सुरक्षा स्थिति पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हुए हमलों की भारत की ओर से कड़ी निंदा दोहराई और इस मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त की। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने कुवैत में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने पर अमीर का आभार भी व्यक्त किया।

सगाई की खुशियां मातम में बदलीं, सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

व्यारा, 09 जून। गुजरात के व्यारा से कार से जा रहे एक परिवार की कार मंगलवार को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर-धुले रोड पर दूसरे वाहनों से टकरा गई। इसमें कार चार लोगों सहित 6 लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ लोग घायल हो गए हैं। उन्हें अमलनेर के पास अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि यह सड़क हादसा जलगांव जिले के अमलनेर-धुले रोड पर होटल वृंदावन और मंगरूल गांव के पास कार, एसटी बस और बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में हुआ। इसमें एक गुजरात निवासी एक परिवार के चार सदस्यों समेत कुल छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कार सवार यह परिवार महाराष्ट्र के मंगरूल गांव के पास आयोजित सगाई समारोह में शामिल होने के लिए कार से जा रहा था।

दुबई सड़क हादसे में सात भारतीय श्रमिकों की मौत, नौ घायल

दुबई, 09 जून। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सात भारतीय श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए घायलों और मृतकों के परिजनों की हर संभव सहायता का भरोसा दिया है। दूतावास के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल ले रहे हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए हुए हैं।

सूरज हेगड़े को राहुल गांधी ने दी अंतिम विदाई

बेंगलुरु, 09 जून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव तथा कर्नाटक राज्य गारंटी योजनाओं की क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज हेगड़े के निधन से कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर है। उनके निधन पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को बेंगलुरु पहुंचे और डॉलर्स कॉलोनी स्थित सूरज हेगड़े के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए। राहुल गांधी ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नदी जोड़ो परियोजनाओं में धन नहीं, सोच सबसे बड़ी चुनौतीः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 09 जून। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि देश में पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नदियों को जोड़ने और भूजल स्तर बढ़ाने के प्रयासों को तेज करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नदी जोड़ो परियोजनाओं को लागू करने में धन की कमी बड़ी बाधा नहीं है बल्कि लोगों की सोच और राजनीतिक कारण अधिक चुनौतीपूर्ण हैं। उपराष्ट्रपति भवन में जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राधाकृष्णन ने कहा कि राष्ट्रीय हित में पानी के बेहतर प्रबंधन के लिए दूरदर्शी और सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

मप्र सरकार ने मंडी शुल्क एक से बढ़ाकर किया डेढ़ रुपये, विकास कार्यों के लिए 13,800 करोड़ रुपये मंजूर

भोपाल, 09 जून। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के बुनियादी ढांचे, तकनीकी विकास और किसान कल्याण से जुड़े कार्यों के लिए लगभग 13 हजार 800 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।इसके साथ ही कपास पर लगने वाले मंडी शुल्क को घटाकर अन्य उपज पर लगने वाले मंडी शुल्क को एक रुपये से बढ़ाकर 1.50 रुपये कर दिया है।

बैठक में भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की संशोधित कुल लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण को मिलाकर 13,565.84 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित राशि की स्वीकृति दी गई। इसके अलावा राज्य में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को सुदृढ़ करने के लिए आगामी 5 वर्षों 2026-2031 के लिए आईटी संवर्ग परामर्श सेवाओं और कार्य योजना के लिए 235 करोड़ 63 लाख रुपये स्वीकृत किए गए है। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि

मंत्रि-परिषद ने कृषि और व्यापार जगत को गति देने के लिए कपास पर मंडी फीस की दर को एक फीसदी से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय जिनिंग मिलों को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 158 कपास जिनिंग मिलें है, जिनकी प्रसंस्करण क्षमता लगभग 13 लाख मीट्रिक टन है। प्रदेश में कपास पर मंडी फीस की दर में कमी किए जाने से जिनिंग मिलों के द्वारा अन्य पड़ोसी राज्यों में पलायन की अपेक्षा प्रदेश में ही व्यवसाय करने को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे रोजगार में तथा जी.एस.टी संग्रहण में वृद्धि होगी। जिनिंग मिलों की इनपुट लागत में कमी आएगी और उनकी आर्थिक व्यवहारिता में वृद्धि होगी।

वे प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में अपनी स्थिति सुदृढ़ बनाए रखने में सक्षम होगी। मंत्री काश्यप ने बताया कि किसान हित में सामान्य मंडी शुल्क को एक रुपये से बढ़ाकर एक रुपये 50 पैसे किया गया है। इस राशि से जिलों में कोल्डस्टोरेज, वेयरहाउस प्रसंस्करण इकाईयों एवं लॉजिस्टिक सुविधाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

साहिबाबाद टायर फैक्ट्री में भीषण आग, टला बड़ा हादसा

गाजियाबाद, 09 जून। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद स्थित राजेंद्र नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक टायर रबर प्रोसेसिंग फैक्ट्री में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग तेजी से फैलते हुए फैक्ट्री के बड़े हिस्से तक पहुंच गई, जिससे आसपास के क्षेत्र में धुएं का गुबार फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे साहिबाबाद फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही चार दमकल गाड़ियों को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया।

बिरसा मुंडा की गाथा राष्ट्रभक्ति की भावना जगाती रहेगीः मोदी

श्रद्धासुमन

- प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

नई दिल्ली, 09 जून। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को देश की अमूल्य विरासत बताया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए विदेशी हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। उनका संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज के स्वाभिमान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। पीएम मोदी ने कहा कि मातृभूमि के लिए उनके सर्वोच्च त्याग की गाथा देश की हर पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करती रहेगी।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें साहस, आत्मसम्मान और न्याय के प्रतीक के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के ऐतिहासिक 'उलगुलान' आंदोलन ने आदिवासी समाज में अपने अधिकारों और पहचान की रक्षा के लिए नई चेतना जगाई। उपराष्ट्रपति ने बताया कि उन्हें झारखंड के राज्यपाल और बाद में उपराष्ट्रपति बनने के बाद बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू जाकर श्रद्धांजलि देने का सौभाग्य मिला। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में देश का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

काशी में स्थापित होगा दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग

वाराणसी, 09 जून। उत्तर प्रदेश के शासन की अनुमति के बाद वाराणसी में भेलूपुर क्षेत्र स्थित जलकल विभाग के बीस एकड़ भूमि पर विश्व स्तरीय अर्बन पार्क बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। अर्बन पार्क के लिए लेआउट बनकर तैयार हो गया है और जिसमें दुनिया का सबसे बड़े 130 फीट ऊंचे शिवलिंग की स्थापना की जाएगी। वाराणसी के नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने मंगलवार को बताया कि सौ करोड़ की लागत से वाराणसी में भेलूपुर में वर्ल्ड लेवल अर्बन पार्क स्थापित होगा। जिसमें दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग भी स्थापित करने की तैयारी है। इसके लिए निर्माण कार्य और स्थापना कार्य को लेकर बैठक हुई है। इसके साथ ही पार्क में घूमने आने वाले लोगों के आकर्षण के लिए काशी की विभूतियों की जानकारी शिलापट्ट पर लगाई जाएगी। पद्म पुरस्कार से सम्मानित हस्तियां भी जिसमें शामिल रहेगी। नगर आयुक्त ने बताया कि विश्व स्तरीय पार्क के निर्माण कार्य को सुचारू रूप से किए जाने पर इसे अगले वर्ष 2027 में मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। पार्क के लेआउट के अनुसार लेजर शो, बच्चों के लिए हाईटेक झूले, ओपन आर्ट गैलरी, फूड कोर्ट और ओपन आर्ट गैलरी भी बनाया जा रहा है।

मप्र से लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों को हुआ 3 हजार 835 करोड़ रुपये का निर्यात

भोपाल, 09 जून (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश का लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों को निर्यात बढ़कर तीन हजार 835 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वर्ष से 19 प्रतिशत अधिक है। इसमें फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की विशेष भूमिका रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 6 जून 2026 को इंदौर में आयोजित भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 में लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों के व्यापार प्रतिनिधियों को प्रदेश में निवेश, उत्पादन और नवाचार के लिये आमंत्रित किया। इंदौर में आयोजित फोरम में 15 देशों के व्यापार प्रतिनिधि के साथ भारत में उरुग्वे, पेरू, पनामा रिपब्लिक, अल-सल्वाडोर, क्यूबा और ग्वाटेमाला के राजदूत और गुयाना के हाई कमिश्नर शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 जून का दिन विशेष महत्व का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के निरंतर कार्यकाल का आज के बाद रिकॉर्ड बनने वाला है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को मंत्रि-परिषद की ओर से बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि के लिए 5 से 21 जून तक प्रदेश में कल्याणकारी गतिविधियों से संबंधित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदेश के एक लाख संविदा कर्मचारी-अधिकारियों की 4.5 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जनकल्याण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा को जन्म दिवस की मंगलकामनाएं दीं।

लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला 16 जुलाई तक टला

दिल्ली, 09 जून। आईआरसीटीसी होटल आवंटन से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत 16 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर अपना फैसला 16 जुलाई तक के लिए टाल दिया है। अदालत को मंगलवार को इस मामले में आदेश सुनाना था, लेकिन अब अगली सुनवाई 16 जुलाई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का आरोप है कि वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद यादव ने आईआरसीटीसी के होटलों के संचालन के ठेके नियमों की अनदेखी कर एक निजी कंपनी को दिलाए।

घर-घर सत्यापन में संदिग्ध विदेशी नागरिकों की सूचना देंगे बीएलओ, होगी कानूनी जांच

फर्जी वोटरों पर वार, संदिग्ध विदेशियों पर आयोग की नजर

नीरज अवस्थी

जिम्मेदारियां

- नागरिकता पर फैसला नहीं करेंगे बीएलओ, सक्षम अधिकारी करेंगे अंतिम निर्णय
- 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान जारी

नई दिल्ली, 09 जून। मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और विश्वसनीय बनाने के लिए निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) के तीसरे चरण में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की जिम्मेदारियां बढ़ा दी हैं। अब घर-घर सत्यापन के दौरान यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता को लेकर संदेह पैदा होता है तो बीएलओ उसकी जानकारी संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को देंगे।

इसके बाद मामला नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा जाएगा, जहां नियमानुसार जांच होगी।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि बीएलओ किसी व्यक्ति को विदेशी नागरिक घोषित नहीं करेंगे। उनकी भूमिका केवल तथ्यों का सत्यापन करने और संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट तैयार करने तक सीमित रहेगी।

किसी भी व्यक्ति की नागरिकता पर अंतिम फैसला केवल अधिकृत अधिकारी ही उपलब्ध दस्तावेजों, जांच और सुनवाई के आधार पर करेंगे। एसआईआर के दौरान बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मतदाता संबंधित पते पर निवास कर रहा है या नहीं। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि मतदाता सूची में दर्ज विवरण सही हैं या नहीं।

यदि कोई मतदाता नहीं मिलता, स्थान बदल चुका है, मृत्यु हो चुकी है या उसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज होने की आशंका है तो उसका विवरण अलग से दर्ज किया जाएगा। केवल अनुपस्थित मिलने के आधार पर किसी को विदेशी नागरिक नहीं माना जाएगा। निर्वाचन आयोग के नए दिशा-निर्देशों में पहली बार यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि सत्यापन के दौरान किसी व्यक्ति के विदेशी नागरिक होने का संदेह उत्पन्न होता है तो उसका मामला सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाएगा। इसके बाद संबंधित एजेंसियां स्वतंत्र जांच करेंगी और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। आयोग के इस कदम के पीछे मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की कवायद को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

ओमान तट पर अमेरिकी मिसाइल हमले में 24 भारतीय नाविक सुरक्षित

नई दिल्ली, 09 जून। ओमान के मसिराह तट के पास चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज करने और नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश में अमेरिका ने सोमवार को पलाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स पर मिसाइल से हमला कर दिया। हालांकि, इस पर सवार सभी 24 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और उन्हें ओमानी अधिकारियों की मदद से बचा लिया गया है।

भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह जहाज खाली था और उस पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। यह ब्लैक लिस्टेड जहाज अमेरिकी नौसेना की चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज करके नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था। यह जहाज विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) से प्रतिबंधित जहाजों की सूची में शामिल था। मिली जानकारी के अनुसार एमटी मैरिवेक्स ने पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते पिछले कई दिनों में अमेरिकी नाकेबंदी को पार करने की चार कोशिशें की थी। तीन बार चेतावनी मिलने पर जहाज पीछे हट गया, लेकिन 8 जून को चौथे प्रयास में उसने ओमानी समुद्री क्षेत्र का इस्तेमाल करते हुए नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की। इस दौरान जहाज ने अपने सिग्नल उपकरण बंद कर दिए, ताकि उसका पता न चल सके। बार-बार चेतावनी न मानने के बाद अमेरिकी नौसेना ने अपने युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन 72) से एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान के जरिए इस जहाज के इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग हिस्सों पर सटीक हमला कर इसे डुबो दिया।

व्यापारी से 2 लाख की लूट का खुलासा, 24 घंटे में 5 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र में इंदौर से उधारी की रकम वसूलने आए एक व्यापारी से हुई लूट की वारदात का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मंगलवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 1 लाख रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त दो दुपहिया वाहन और एक चाकू बरामद किया है। पकड़े गए मुख्य साजिशकर्ता बताए जा रहे एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार इंदौर निवासी 25 वर्षीय अभय कुमार सिंह 6 जून को अपने साथी लखन चौरसिया के साथ जबलपुर उधारी की रकम लेने आया था। उसने मझौली क्षेत्र से एक व्यापारी से 2 लाख रुपये वसूल किए थे। इसके बाद वह अपने परिचितों के संपर्क में रहा और शाम को बस स्टैंड जाने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसके परिचित पियूष पटेल ने फोन कर एक युवक के माध्यम से सामान भिजवाया। बाद में वही युवक अभय और उसके साथी को बस स्टैंड छोड़ने के बहाने बाइक पर लेकर निकला। शाम करीब 7:30 बजे सर्विस रोड पर पहुंचने के दौरान एक एक्टिवा सवार तीन युवकों ने उन पर मिर्च पाउडर फेंक दिया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।पीड़ितों के गिरते ही बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने मारपीट की और चाकू दिखाकर धमकाते हुए नकदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। बैग में 2 लाख रुपये नकद और अन्य सामान रखा हुआ था।

घटना की रिपोर्ट पर माढ़ोताल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की मदद से जांच आगे बढ़ाई। पूछताछ के दौरान सामने आया कि पीड़ितों के साथ बाइक पर मौजूद राजेंद्र पटेल भी साजिश में शामिल था। पुलिस ने राजेंद्र पटेल से पूछताछ की तो उसने इंदौर निवासी पियूष पटेल के कहने पर अपने साथियों आलोक पांडे, रोहन ठाकुर, शरद बेन और बृजेश उर्फ बिज्जू अन्ना के साथ मिलकर लूट की योजना बनाना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने सभी पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 1 लाख रुपये नकद, एक एक्सिस स्कूटर, एक एक्सट्रीम मोटरसाइकिल और घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू जब्त कर लिया है। शेष रकम और अन्य सामान की बरामदगी के लिए आरोपितों को रिमांड पर लिया गया है। मामले में बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी गई हैं तथा फरार आरोपी पियूष पटेल की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी में माढ़ोताल थाना और साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोकायुक्त की कार्रवाई, 5 हजार की रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार

जबलपुर। जबलपुर लोकायुक्त ने मंगलवार को कटनी जिले के एक पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित पटवारी ने शिकायतकर्ता को रिश्वत देने के लिए अपने निजी कार्यालय में बुलाया था, लेकिन पूरी एहतियात बरतने के बावजूद वह लोकायुक्त के जाल से बच नहीं सका।

जानकारी के अनुसार, कटनी जिले के ग्राम कौड़ियां निवासी शिवकुमार जायसवाल ने लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अंजुलता पटले के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी देववती जायसवाल के नाम पर खरीदी गई 1 एकड़ 80 डिसमिल भूमि के सीमांकन के लिए क्षेत्र के पटवारी स्वयं प्रकाश मेहरा द्वारा 5 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन के दौरान यह आरोप सही पाया गया। जांच में सामने आया कि पटवारी स्वयं प्रकाश मेहरा सीमांकन कार्य के बदले 5 हजार रुपये लेने के लिए तैयार हो गया था। इसके बाद लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। मंगलवार को शिकायतकर्ता ने आरोपी के निजी कार्यालय पहुंचकर उसे 5 हजार रुपये की रिश्वत दी। जैसे ही आरोपी ने राशि स्वीकार की, पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने मौके पर दबिश देकर उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी पटवारी स्वयं प्रकाश मेहरा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नेत्रदान महादान से दूर हो सकता है कॉर्नियल ब्लाइंडनेस का अंधकार: डां. जनक

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जिला चिकित्सालय में पदस्थ नेत्र सर्जन डॉ. जनक सारीवान ने विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून) के अवसर पर नागरिकों से मृत्यु उपरांत नेत्रदान करने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की गई है।

उन्होंने मंगलवार को बातचीत में बताया कि वर्तमान में भारत देश में लगभग 11 लाख लोग पारदर्शी पुतली के अंधेपन (कॉर्नियल ब्लाइंडनेस) से पीड़ित हैं, जिसमें प्रतिवर्ष 20 से 25 हजार नए मरीज जुड़ जाते हैं। स्थानीय स्तर पर भी यह समस्या चिंताजनक है, जहां अकेले अनूपपुर जिला चिकित्सालय में ही प्रतिवर्ष 100 से 150 पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय भाषा में आंखों में सफेदी आना या फूली पड़ जाना कही जाने वाली यह बीमारी मुख्य रूप से चोट, संक्रमण और विटामिन ए की कमी से होती है, जिसका एकमात्र इलाज नेत्रदान के माध्यम से कॉर्नियल प्रत्यारोपण ही है। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिवर्ष होने वाली लगभग 95 लाख मौतों के बावजूद, जागरूकता की कमी और सामाजिक-धार्मिक भ्रांतियों के कारण नेत्रदान का आंकड़ा बेहद कम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यदि देश में होने वाली कुल मौतों में से महज 11 लाख लोग भी मृत्यु के उपरांत नेत्रदान करें, तो भारत से कॉर्नियल ब्लाइंडनेस को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान का संकल्प व्यक्ति अपने जीवनकाल में लेता है, जिसे मृत्यु के 6 घंटे के भीतर नेत्र बैंक की टीम द्वारा पूरी संवेदनशीलता से संपन्न कराया जाता है। इस पुनीत कार्य से मृत व्यक्ति के जाने के बाद भी उसकी आंखें दुनिया को देख सकती हैं, इसलिए जिला प्रशासन ने नागरिकों से नेत्रदान- महादान के इस महाअभियान से जुड़ने का आव्हान किया है।

जनसुनवाई में कमिश्नर ने मौके पर ही कराया शिकायतों का निपटारा

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में नगर निगम मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार भी पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया।

निगमायुक्त ने लगातार दो घंटे तक नागरिकों की समस्याओं को सुना और प्राप्त सभी 48 आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी आवेदक काम कराकर चेहरों पर मुस्कान लेकर लौटे। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 48 शिकायतें भवन शाखा, अतिक्रमण विभाग, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग, कॉलोनी सेल, लेखा शाखा एवं उद्यान विभाग, जल, संपदा, आवास योजना, बाजार, कार्यालय अधीक्षक, फायर एवं संभाग शामिल है, प्राप्त हुईं। निगमायुक्त अहिरवार ने बिना समय गंवाए सभी शिकायतों को संबंधित विभागों में प्रेषित किया। इसमें से राजस्व और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर आवेदकों को तुरंत राहत पहुंचाई गई।मुख्यालय के साथ-साथ नगर निगम के सभी संभागीय कार्यालयों में भी जनसुनवाई का प्रभावी दौर चला। संभाग स्तर पर कुल 64 आवेदन प्राप्त हुए। संभागीय अधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए सभी 64 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया, जिससे नागरिकों को मुख्यालय के चक्कर काटने से मुक्ति मिली। निगमायुक्त ने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर और त्वरित निवारण ही हमारी प्राथमिकता है। सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आवेदनों पर संवेदनशीलता से कार्रवाई करें।

55 मकान और 70 दुकानें टूटी, 300 से ज्यादा लोग बेघर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के इंद्रपुरी लेबर कॉलोनी में मकान और दुकानों की तोड़फोड़ के बाद प्रभावित परिवारों ने मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया। रहवासियों का आरोप है कि वे पिछले लगभग 40 वर्षों से इंद्रपुरी लेबर कॉलोनी में रह रहे थे और उनके पास सरकारी पट्टे भी हैं।

प्रभावित लोगों के अनुसार प्रशासन ने पहले आश्वासन दिया था कि हटाने से पहले वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अचानक हुई कार्रवाई में 55 मकान और 70 दुकानें तोड़ दी गईं, जिससे 300 से अधिक लोग बेघर हो गए। धरना-प्रदर्शन के बाद पीड़ितों ने महापौर और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल पुनर्वास की मांग की। उनका कहना है कि बारिश के मौसम में वे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और उनके सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

अदानी थर्मल प्लांट के खिलाफ सरपंच का मोर्चा

पिछले एक वर्ष से वादा खिलाफी और शोषण के लगाए आरोप

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित अदानी थर्मल पावर प्लांट के खिलाफ ग्राम पंचायत मझौली की सरपंच चंदा पनिका ने मंगलवार को तीखी नाराजगी जताई। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर पिछले एक वर्ष से वादा खिलाफी और ग्रामीणों के शोषण का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि तय समझौते के कार्य समय पर पूरे नहीं किए गए तो पंचायत क्षेत्र में काम नहीं होने दिया जाएगा।

सरपंच ने आरोप लगाया कि कंपनी पहले ही पंचायत की लगभग 100 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर चुकी है और अब शेष भूमि पर भी कब्जे की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार कंपनी ने इसके लिए अधिकारियों की विशेष टीम लगा रखी है, जो दबाव और स्थानीय दलालों के माध्यम से जमीन हासिल करने का प्रयास कर रही है। चंदा पनिका ने कहा कि कंपनी ने छोटे-मोटे कार्यों का दिखावा कर विकास का माहौल बनाने की कोशिश की, जबकि पंचायत को दिए गए लिखित आश्वासनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत पंचायत क्षेत्र में आईसीयू सुविधा सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा, हाट बाजार परिसर, युवाओं के लिए कंप्यूटर व पुस्तकालय सहित प्रशिक्षण केंद्र, महिलाओं के लिए रोजगार प्रशिक्षण केंद्र, मान्यता प्राप्त खेल मैदान, पशु अस्पताल, गौशाला, सार्वजनिक शौचालय और सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसी सुविधाओं का वादा किया गया था। सरपंच का कहना है कि इनमें से अधिकांश कार्य आज तक शुरू नहीं हुए। उन्होंने यह भी कहा कि प्लांट बनने के बाद बाहरी लोगों की बढ़ती आवाजाही और शराबखोरी के कारण क्षेत्र की महिलाएं और ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। चंदा पनिका ने स्पष्ट किया कि पंचायत राजनीति नहीं करना चाहती, लेकिन कंपनी भी राजनीतिक दबाव और प्रभाव का इस्तेमाल न करे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत मझौली ने हमेशा यह उम्मीद की कि उद्योग आने से स्थानीय विकास, रोजगार और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे, लेकिन अब ग्रामीण खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

बरसात से पहले बनें सड़कें

जबलपुर। नगर निगम और मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा अमृत जल योजना के अंतर्गत ग्वारीघाट से लेकर रांझी तक बिछाई जा रही पानी की पाइपलाइन का कार्य जिस गति से चल रहा है उसे देखकर लगता है

वषार्काल में बहुत बड़ा हादसे का सबब बन जाएगा जगह-जगह पाइपलाइन के लिए गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं जो दुर्घटना को न्योता दे रहा है जहां पर पाइपलाइन डाली गई है उसके ऊपर मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है एक वर्ष के अंदर 1.5 करोड़ की सड़क पूर्व कैबिनेट मंत्री वर्तमान विधायक लखन घनघोरिया के द्वारा अतिकर्मण हटा कर बनाई गई थी।

ताकि रोड़ पर लोग सुचारू रूप से चल परंतु स्थिति वास्तु स्थिति से प्रति कुल है बरसात में अगर पानी गिरेगा तो वह धस जाएगी और हादसा कभी भी हो सकता है। इस दौरान चुंगी चौकी कांचघर व्यापारी संघ के संजू भोजक, सरमन रजक, एडवोकेट सुधीर शर्मा, डॉ रमा कांत रावत, अतुल गुप्ता, डॉ बालमुकुंद यादव, राजेश पराग विक्की विश्वकर्मा, राजेश मंझार, निक्की बेन, सुनील तिवारी, एडवोकेट अभिषेक शुक्ला, मुकुल यादव, गोपी प्रजापति, दिलीप रैकवार, गगन प्रजापति, राजेश कोल ने जल्द से जल्द सुधार की मांग की है।

पानी की समस्या हैंडपंप सुधरने के लिए से ग्रामीणों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम पोडंकी में मंगलवार को ग्रामीणों ने पानी की समस्या एवं खराब हैंडपंप को ठीक कराने की मांग को लेकर राजेंद्रग्राम -अमरकंटक सड़क जाम करते हुए प्रदर्शन किया। अधिकारियों के हस्तक्षेप और हैंडपंप के सुधार के बाद ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया।

ग्रामीणों ने सुबह खाली बर्तन और बाल्टियां सड़क पर रखकर राजेंद्रग्राम से अमरकंटक जाने वाली सड़क को अवरुद्ध कर दिया। इस कारण घंटों तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पोडंकी गांव में लगा एकमात्र हैंडपंप पिछले 15 दिनों से खराब था। इस हैंडपंप पर आसपास के लगभग 30 से 35 घरों के लोग पानी के लिए निर्भर थे। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने विभाग को कई बार शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। सड़क जाम की सूचना मिलने पर पुष्पराजगढ़ तहसीलदार, पुलिस और पीएचई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्या सुनी। पुलिस ने पहले ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे।

कांग्रेस के पदाधिकारियों और पीएचई अधिकारियों की मौजूदगी में घंटों बाद तत्काल हैंडपंप की मरम्मत की गई। हैंडपंप ठीक होने के बाद ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। पीएचई एसडीओ पुष्पराजगढ़ दीपक साहू ने ग्रामीणों को जल्द ही एक और हैंडपंप लगाने का आश्वासन भी दिया है, ताकि भविष्य में पानी की समस्या न हो। ग्रामीणों ने बताया कि हैंडपंप खराब होने के कारण पिछले 15 दिनों से वे निजी बोरवेल से पानी लाने को मजबूर थे। उन्होंने यह भी कहा कि पीएचई विभाग पुष्पराजगढ़ को इस समस्या के बारे में पहले ही अवगत करा दिया गया था, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया।

नौकरी दिलाने के दबाव को लेकर विवाद बढ़ा, चली गोली

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खांड़ा स्थित रामपुर बटुरा खदान क्षेत्र में संचालित जय अम्बे इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में हुए गोलीकांड पर मंगलवार को 3 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

इस गोलीकांड से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। कंपनी के एक कर्मचारी को निशाना बनाकर कथित तौर पर गोली चलाई गई, लेकिन सुरक्षा गार्ड की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया और कर्मचारी की जान बच गई। घटना के बाद कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले में पप्पू विश्वकर्मा पुत्र गोविंद प्रसाद विश्वमकर्मा, मिथलेश चर्मकार उर्फ लक्की पुत्र रामनरेश विश्वचकर्मा और श्रीराम विश्वकर्मा पुत्र गोविंद प्रसाद के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने बताया कि शिकायत में कंपनी के टाइमकीपर अमन सिंह ने बताया कि कंपनी में कार्यरत हेल्पर पप्पू विश्वकर्मा और मिथलेश चर्मकार पिछले कई दिनों से अपने परिचित 8 से 10 लोगों को नौकरी पर रखने के लिए दबाव बना रहे थे। कंपनी प्रबंधन द्वारा उनकी मांग पूरी न किए जाने पर दोनों कर्मचारियों और अधिकारियों को लगातार धमकियां दे रहे थे। 7 जून की सुबह भी दोनों आरोपियों ने कार्यालय परिसर में अमन सिंह के साथ गाली-गलौज की और धमकी दी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी आलोक त्रिपाठी ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। दोपहर को जब कार्यालय में कर्मचारी लंच के बाद चर्चा कर रहे थे, तभी पप्पू विश्वकर्मा, मिथलेश चर्मकार और श्रीराम विश्वकर्मा वहां पहुंचे।

बारिश से पहले निगम की सख्ती, मुराई मोहल्ला में तीन जर्जर मकान ढहाए

आसपास के पुराने मकानों की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरती, चिन्हित भवनों पर कार्रवाई जारी रहेगी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में मानसून से पहले संभावित हादसों को रोकने के लिए नगर निगम ने जर्जर भवनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को निगम की टीम ने छावनी क्षेत्र स्थित मुराई मोहल्ला में तीन खतरनाक और जर्जर मकानों को हटाने की कार्रवाई की।

जोन क्रमांक-11 के भवन एवं रिमूवल अधिकारी अंकेश बिरथरिया ने बताया कि नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। संबंधित भवन लंबे समय से जर्जर अवस्था में थे और बारिश के दौरान इनके गिरने से जन-धन हानि की आशंका बनी हुई थी। उन्होंने बताया कि मकानों को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया, लेकिन जर्जर भवनों के पीछे स्थित मकान भी पुराने और संवेदनशील होने के कारण निगम की टीम को विशेष सतर्कता बरतनी पड़ी। पूरी कार्रवाई बेहद सावधानी और तकनीकी निगरानी के साथ की गई, ताकि आसपास के भवनों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे। निगम अधिकारियों के अनुसार शहरभर में चिन्हित जर्जर भवनों की सूची तैयार की गई है और बारिश से पहले ऐसे सभी खतरनाक भवनों पर चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जर्जर भवनों की सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

डेढ़ घंटे तक हुई लगातार बारिश, कई इलाकों में जलभराव और बिजली व्यवस्था प्रभावित

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुरूप मंगलवार को प्री मानसून की बारिश का दौर शुरू हो गया। शहर में पिछले डेढ़ घंटे से अधिक समय से लगातार तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है।

हालांकि, बारिश के साथ कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है। शहर की कई सड़कों पर पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित हुआ है, जबकि कुछ मार्गों पर यातायात भी बाधित हो गया। बारिश शुरू होते ही विद्युत व्यवस्था चरमरा गई और शहर के अनेक हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे अंधकार की स्थिति निर्मित हो गई। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ और झाड़ियां गिरने की भी खबरें सामने आई हैं। स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम और नगर निगम का फायर अमला लगातार सक्रिय है तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा रही है। इधर, दक्षिण-पश्चिम मानसून भी तेजी से मध्य प्रदेश की ओर बढ़ रहा है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मानसून ने केरल, गोवा और महाराष्ट्र में तेजी से प्रगति की है और अब उसकी अगली मंजिल मध्य प्रदेश है। पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि मानसून 20 जून के आसपास प्रदेश में प्रवेश करेगा, लेकिन वर्तमान मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए इसके निर्धारित समय यानी 15 जून के आसपास ही मध्य प्रदेश पहुंचने की संभावना प्रबल हो गई है।

दो अलग-अलग घटनाओं में युवक एवं नाबालिक ने लगाई फासी, जांच में जुटी पुलिस

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत मंगलवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक एवं एक नाबालिग बालिका ने अज्ञात कारणों से घर एवं जंगल में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस घटना के संबंध में जांच करने में जुटी हुई है। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पसला के चरतरिहा टोला निवासी 45 वर्षीय मिठाईलाल उर्फ मिट्ठू ने दोपहर में अज्ञात कारणों से घर के अंदर फांसी लगा ली। सूचना पर मौके पर पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा करते हुए पोस्टामार्डम उपरांत परिजनो को सौप कर जांच में जुट गई।

दूसरी घटना ग्राम पंचायत औढेरा गांव के जल्दाटोला अंतर्गत जंगल में समनू बैगा की 16 वर्षीय पुत्री ने अज्ञात कारणों से जंगल के पेंड़ मे रस्सी एवं दुपट्टा बांधकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। ग्रामीणों द्वारा सरपंच पति जयपाल सिंह एवं अनूपपुर के सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल को दिये जाने पर इसकी जानकारी कोतवाली निरीक्षक दिए दी गई। पुलिस घटनास्थल पर मृतिका के शव का पंचनामा, साक्षियों के कथन लेख कर जिला अस्पताल अनूपपुर के डॉक्टर टीम से मृतिका के शव का शव परीक्षण कराते हुए अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंप कर जांच कर रही है। परिजनों एवं ग्रामीणों ने बताया कि महिला एक बच्ची के साथ दिशा-मैदान एवं सूखी लकडी लेने जंगल गए थे जिन्होंने इसे फांसी में लटके हुए मृत स्थिति में देखा।

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पाने में विधायिका की भूमिका अहम : नरेन्द्र सिंह तोमर

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राजनीतिक दृढ़ता और प्रतिबद्धता आवश्यक है, लेकिन इस काम में विधायिका की भूमिका भी अहम है।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधानसभा में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन-सीपीए) भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सरकारें और विधानसभाएं अपनी-अपनी अपनी तरह से तैयारी कर रहे हैं। जनता की मानसिक रूप से तैयारी करवाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जन जागरूकता होगी तो हम आधी लड़ाई वैसे ही जीत जाएंगे।उन्होंने कहा कि इस कार्य मे विधायक और विधायिका की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि विधायक वास्तव में जनता और सरकार के बीच में सेतु है। अब अगर विधायक जागरूक हो कर कार्य करेंगे, तो निश्चित रूप से जनता को भी जागरूक बनाने की दिशा में हम महत्वपूर्ण पहल कर पाएंगे। विधायकों की सक्रिय भागीदारी से हम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अच्छे परिणाम पाने में सफल होंगे।तोमर ने सम्मेलन में ₹विकसित भारत -2047: जागरूक समाज और विधायकों की भूमिका₹ विषय की रूपरेखा रखकर सत्र का संचालन सूत्र थामा और विषय की रूपरेखा रखते हुए कहा कि जब विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पाने की जिम्मेदारी की बात होती है तो हमको दूर तक सोच रखने की आवश्यकता है। अपनी सोच और दृष्टि उन कोनों तक ले जाने की जरूरत है, जहां अभी अभाव दिखाई दे रहा है, जिन कोनों पर काम करने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस

लोकतंत्र की मजबूती और जवाबदेही की जब बात आती है तब चिंता होने लगती है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पाने के लिए राजनीतिक दृढ़ता और प्रतिबद्धता तो आवश्यक है ही, आर्थिक दृष्टि से समृद्ध होना भी आवश्यक है।

इसके साथ ही सामाजिक और नागरिक जागरूकता जरूरी है।तोमर ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है। जनसंख्या प्रधान देश है। जनसंख्या हमारी ताकत है। उसमें भी हमारा यह सौभाग्य है कि आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। युवाओं की जो ताकत आज हमारे पास है। इस ताकत का संयोजन कैसे करना, इसका उपयोग कैसे करना तथा इस ताकत को दिशा कैसे देना और इसको कर्तव्यों की दृष्टि से अधिक जागरूक और सक्षम कैसे बनाना, इस पर विधायक और विधायिका का योगदान महत्वपूर्ण रहने है। विधायक एक ऐसी पदवी है जो जनता और सरकार के बीच में सेतु का काम करती है।

अगर विधायक जागरूक होंगे, अपने कर्तव्य का ठीक प्रकार से पालन करेंगे तो निश्चित रूप से जनता को भी जागरूक बनाने की दिशा में हम महत्वपूर्ण पहल कर पाएंगे।सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण सहित विभिन्न प्रदेशों की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले सोमवार को हरियाणा विधानसभा में लोकतंत्र दीर्घा का उद्घाटन किया गया। मप्र विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ हरियाणा विधानसभा की पुस्तकालय व्यवस्था का अवलोकन किया।

मप्र में पीएम स्वनिधि योजना की पहुंच अंतिम छोर तक बनाने के लिए 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना की पहुँच को अंतिम छोर तक और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से समस्त क्षेत्रों में 01 जून 2026 से विशेष अभियान संचालित किया जा रह है। यह अभियान 30 जून तक चलेगा। जनसम्पर्क अधिकारी अवंतिका जायसवाल ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश ने देश में एक गौरवशाली और ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है। राज्य शासन, नगरीय निकायों तथा ऋणदाता संस्थाओं के समर्पित प्रयासों एवं सक्रिय सहयोग से प्रदेश में अब तक 10 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को सफलतापूर्वक लाभान्वित कर उनके स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि योजना के प्रसार के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालयों पर 'स्वनिधि महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में पीएम स्वनिधि योजना के सफल लाभार्थियों तथा उनके परिवारजनों की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों, उनके संघर्ष और सफलता की प्रेरक कहानियों का उत्सव मनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफल वेंडर्स को सम्मानित करना तथा योजना से जुड़े सभी संबंधित हितधारकों के मध्य इसके प्रति और अधिक व्यापक जागरूकता का संचार करना है।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, नगरीय निकाय स्तर पर 'लोक कल्याण मेलों' के माध्यम से 'पथ विक्रेताओं के लिए सेवाएँ आपके द्वार' की पावन संकल्पना का क्रियान्वयन किया जाएगा। इन मेलों के माध्यम से जरूरतमंद वेंडर्स को वित्तीय, सामाजिक और डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिये बिना गारंटी के 15 हजार रुपए तक की आसान ऋण सुविधा, न्यूनतम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता, क्रेडिट कार्ड एवं डिजिटल लेनदेन के लिए प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही बैंकर्स एवं पथ विक्रेताओं की विशेष बैठकें आयोजित कर अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं की पहुँच सुलभ कराई जाएगी तथा 'नगरीय निकाय सहायता केंद्रों' के माध्यम से वेंडर्स की समस्याओं और शिकायतों का त्वरित निराकरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में सेन्सस टाउन स्तर पर 'स्वनिधि कैंप' का आयोजन कर दूरस्थ व अर्द्धे-शहरी क्षेत्रों में निवासरत पथ विक्रेताओं को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। विशेष शिविरों के माध्यम से छूटे हुए और नए पथ विक्रेताओं की पहचान कर उन्हें योजना की जानकारी दी जाएगी। ऋण स्वीकृति के लिए उनके पंजीयन की त्वरित कार्यवाही पूरी की जाएगी जिससे कोई भी पात्र वेंडर लाभ से वंचित न रहे।

वृद्धाश्रम पहुंचे मंत्री कुशवाह, बोले- वरिष्ठजन की सेवा ही मानवता की सच्ची सेवा

भोपाल। मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मंगलवार को भोपाल में शाहजहानाबाद स्थित आसरा वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजन के साथ समय व्यतीत किया और उनकी सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वृद्धाश्रम में आयोजित धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम के दौरान मंत्री कुशवाह ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुंदरकांड पाठ में सहभागिता की।

मंत्री कुशवाह ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय संवाद कर कुशलक्षेम जानी तथा उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वृद्धजन को वस्त्र भेंट कर भोजन प्रसादी भी वितरित की। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजन अनुभव, संस्कार और परंपराओं के संवाहक हैं। उनका सम्मान, सेवा और देखभाल करना प्रत्येक

नागरिक का नैतिक दायित्व है। मंत्री कुशवाह ने कहा कि वृद्धजन के स्नेहपूर्ण आशीर्वाद और उनके चेहरे पर आई मुस्कान से उन्हें आत्मिक शांति एवं संतोष की अनुभूति हुई। उन्होंने समाज से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव बनाए रखने का आहवान किया।

वृद्धाश्रम के बुजर्गों ने मंत्री कुशवाह के इस आत्मीय प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वरिष्ठजन की सेवा को भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों का सशक्त प्रतीक बताया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल और मंत्री राधा सिंह ने सुनी जनसमस्याएं

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और मंत्री राधा सिंह ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकताओं और आमजन से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया। संवाद कार्यक्रम में दोनों मंत्रियों ने कार्यकताओं एवं नागरिकों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याओं, सुझावों और मांगों की जानकारी ली। जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव था, उनका मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को आवश्यक कार्रवाई और शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्रियों ने कार्यकताओं से कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त सभी प्रकरणों पर गंभीरता से कार्रवाई कर समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

मप्र से राज्यसभा की तीसरी सीट पर क्रास वोटिंग की आशंका भोपाल से बेंगलुरु भेजे जा रहे कांग्रेस विधायक

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीसरी सीट पर भाजपा द्वारा उम्मीदवार उतारने के बाद कांग्रेस को क्रास वोटिंग का डर सता रहा है। इसी की आशंका के चलते कांग्रेस अपने सभी विधायकों को विशेष विमान (चार्टर्ड प्लेन) से बेंगलुरु भेज रही है। मंगलवार को सभी कांग्रेस विधायक भोपाल पहुंच गए हैं। यहां वे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बंगले पर पहुंचे और यहां से अपनी-अपनी गाड़ी से एयरपोर्ट रवाना हुए। दोपहर तक अधिकांश विधायक भोपाल एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने स्टार एयरलाइंस का 72 सीटर विशेष विमान बुक कराया है। इसी विमान से विधायकों को भोपाल एयरपोर्ट से बेंगलुरु ले जाया जाएगा।

इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस का जहां राज्य है, हम विधायकों को वहां ले जाएंगे। कांग्रेस को अपने सभी 62 विधायकों पर पूरा भरोसा है। यह पूरी

तरह सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है और सभी विधायक मजबूती से पार्टी के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की कथित तोड़फोड़ की राजनीति को देखते हुए सतर्क रहना आवश्यक है, इसलिए पार्टी संगठनात्मक स्तर पर सभी जरूरी कदम उठा रही है। भाजपा अपने विधायकों को संभालकर रखे।सिंघार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर देश को तानाशाही की ओर ले जाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनता की आवाज की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी लड़ाई सत्ता की नहीं, बल्कि उस विचारधारा के खिलाफ है जो लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलना चाहती है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस विधायक एकजुट हैं। यह राज्यसभा चुनाव केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि 2028 के बदलाव की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।भोपाल एयरपोर्ट पहुंचे कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि मतदान में अभी कुछ दिन बाकी हैं। ऐसे में सभी विधायकों ने एक साथ कुछ समय बिताने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सभी विधायकों को लगा कि मतदान से पहले कुछ दिन साथ रहना अच्छा रहेगा। इससे आपसी तालमेल और मजबूत होगा तथा एक-दूसरे के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। इसी वजह से हम सभी एक साथ जा रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी एयरपोर्ट पहुंचे। जब उनसे विधायकों के एक साथ रवाना होने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मुझे बताया गया कि कांग्रेस विधायक किसी चार्टर्ड विमान से कहीं जा रहे हैं, इसलिए मैं भी देखने आ गया कि वे आखिर कहां जा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर विधायकों को बाहर भेजे जाने के कारण पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसे फैसले कई पहलुओं पर विचार करने के बाद ही लेती है।

मध्य प्रदेश की 'शौर्या दल' सेना बनी देश में सशक्तिकरण की सबसे बुलंद हुंकार

22 लाख महिलाओं की देश की सबसे बड़ी साइलेंट आर्मी, जिसे एमपी कैबिनेट ने दी वर्ष 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के गांवों और शहरों की गलियों से गुजरते हुए अगर आपको साड़ी का पल्लू संभाले या कॉलेज का बैग टांगे महिलाओं की कोई टोली दिखाई दे, तो उन्हें सिर्फ राहगीर समझने की भूल मत कीजिए।

यह मध्य प्रदेश की 'शौर्या दल' सेना है—बिना वर्दी के समाज की वो 'गार्डियन' जो आज देश में महिला सशक्तिकरण की सबसे बुलंद हुंकार बन चुकी है, जिसने महिला सशक्तिकरण की परिभाषा को कागजों से निकालकर धरातल पर साकार कर दिखाया है। जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2013 में महज 6 जिलों से शुरू हुआ यह कारवां आज प्रदेश के कोने-कोने में फैल चुका है, जिसे देखते हुए सरकार ने इसे अगले 5 साल (2026-27 से 2030-31) तक लगातार जारी रखने का महत्वपूर्ण फैसला किया है।जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, शौर्या दल की सबसे बड़ी यूएसपी यह है कि ये अपराध होने के बाद मोमबत्तियां नहीं जलातीं, बल्कि अपराध होने से पहले ही उसकी कमर तोड़ देती हैं। किसी घर में घरेलू हिंसा की सुगबुगाहट हो, किसी गांव में गुपचुप बाल विवाह मंडप सज रहा हो, या कोई संदिग्ध मानव तस्करी (ट्रैफिकिंग) का जाल बुन रहा हो—शौर्या दल का खुफिया नेटवर्क तुरंत एक्टिव हो जाता है। 15 से 45 वर्ष की ये जांबाज महिलाएं पुलिस और कानून के हस्तक्षेप से पहले अपनी 'सामुदायिक समझाइश' के ब्रह्मास्त्र से बड़े-बड़े मामलों को शांति से सुलझा देती हैं।उन्होंने बताया कि यह देश का शायद सबसे अनोखा और विशाल सामाजिक नेटवर्क है, जिसमें वर्तमान में 22.52 लाख से अधिक महिलाएं और बेटियाँ सीधे तौर पर जुड़ी हैं।

इस दल की खूबसूरती देखिए—एक तरफ जहां 7.64 लाख कॉलेज और स्कूल जाने वाली नई पीढ़ी की लड़कियां अपने तकनीकी और आधुनिक विचारों के साथ इसमें शामिल हैं, वहीं दूसरी तरफ 14.88 लाख अनुभवी गृहणियां और बुजुर्ग महिलाएं हैं, जो समाज की विविधताओं से भलीभाँति परिचित हैं। युवा जोश और अनुभव जब एक मंच पर आता है, तो दकियानूसी सोच और नकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण को घुटने टेकने ही पड़ते हैं। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की इस पहल ने सुदूर आदिवासी क्षेत्रों से लेकर शहरी वार्डों तक की महिलाओं को अपनी बंदिशें तोड़कर खुलकर सांस लेने का मौका दिया है। आज ये शौर्या दल सिर्फ सुरक्षा कवच नहीं हैं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के मोर्चे पर महिलाओं की समान पहुंच सुनिश्चित करने का जरिया बन चुके हैं। महिलाएं अब सिर्फ सरकारी योजनाओं की कतारों में खड़ी नहीं होतीं, बल्कि अपने मौलिक अधिकारों के लिये लड़ना सीख चुकी हैं। उन्होंने बताया कि शौर्या दल ने यह साबित कर दिया है कि असली महिला सशक्तिकरण तब आता है जब चाबी खुद महिलाओं के हाथ में सौंप दी जाए। समाज की नकारात्मक सोच और रूढ़ियों पर प्रहार करता मध्यप्रदेश का यह 'शौर्या मॉडल' आज पूरे देश के सामने एक मिसाल है, जो यह संदेश देता है कि जब महिलाएं खुद अपनी और समाज की रक्षक बन जाएं, तो बदलाव को आने से कोई नहीं रोक सकता।।

मुख्यमंत्री ने विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पदक विजेताओं को दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर भारत की योग शक्ति का 'स्वर्णिम' परचम लहराया है।

विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए 102 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 114 पदक जीतकर देशवासियों को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सफलता भारत की समृद्ध ऋषि परंपरा, योग साधना और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

मप्र से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त, तेलंगाना में दर्ज केस छिपाने का आरोप

भाजपा की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफिसर ने लिया फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच के तीसरी तीसरी सीट के कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया है। भाजपा की आपत्ति पर मंगलवार शाम को रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने यह फैसला लिया। इसके बाद राज्यसभा की तीसरी सीट का चुनावी समीकरण बदल गया है और भाजपा के तीनों उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचित होने की संभावना बढ गई है।दरअसल, मीनाक्षी नटराजन के नामांकन के खिलाफ भाजपा ने औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी। भाजपा का आरोप है कि मीनाक्षी ने तेलंगाना की हैदराबाद अदालत में लंबित एक मामले की जानकारी नामांकन पत्र में छिपाई है।

इसको लेकर पर्यवेक्षक ने कारण बताओ नोटिस जारी कर मंगलवार शाम तक जवाब मांगा था। आपत्ति पर सुनवाई के दौरान विधानसभा परिसर में दिनभर राजनीतिक हलचल बनी रही। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के वरिष्ठ नेता रिटर्निंग अफसर कार्यालय के बाहर मौजूद रहे। नामांकन की जांच के दौरान विधानसभा परिसर में दोनों दलों के नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामे की स्थिति भी बनी। नारेबाजी और शोर-शराबे के बीच कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और विक्रांत भूरिया ने रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे में घुसने की कोशिश की, जिसे पुलिस और विधानसभा के सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया।

भाजपा के अनुसार, हैदराबाद की मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में पूर्व कॉरपोरेटर ए. श्रीलता ने नटराजन के खिलाफ एक याचिका दायर कर रखी है। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि नटराजन ने कुंभम शिवकुमार रेड्डी नाम के एक व्यक्ति को राजनीतिक सर्वेक्षण का काम दिया था। इस बीच, श्रीलता ने रेड्डी पर छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है, जिससे यह पूरा विवाद जुड़ा हुआ है। भाजपा की ओर से पक्ष रखने वाले अधिवक्ता संकेत गुप्ता ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ लंबित मामले की जानकारी दस्तावेजों में उपलब्ध थी और उस मामले में उनकी ओर से जवाब भी दाखिल किया जा चुका था। इसके बावजूद यह जानकारी शपथ पत्र में शामिल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के दिशा-निदेर्शों के मुताबिक उम्मीदवार को अपने खिलाफ लंबित मामलों की पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। इसी आधार पर भाजपा ने नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराई थी। संकेत गुप्ता ने यह भी दावा किया कि संपत्ति संबंधी विवरण में भी विरोधाभास पाया गया, जिसे भाजपा ने अपनी आपत्ति का हिस्सा बनाया था।नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि मीनाक्षी के खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण नहीं है।

उन्हें अदालत से केवल एक नोटिस मिला था। उन्होंने कहा कि एक गांधीवादी नारी से भाजपा डर गई। कांग्रेस की जीत और एक ईमानदार महिला उम्मीदवार की बढ़ती स्वीकार्यता से घबराई भाजपा का असली चेहरा आज विधानसभा में बेनकाब हो गया।

एमपी ट्रांसको ने रचा बचत का नया रिकॉर्ड इन-हाउस ओवरहॉलिंग से 50 लाख रुपये की बचत

भोपाल। मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के अभियंताओं ने 400 केवी सब स्टेशन कटनी में स्थापित बिरसिंहपुर नंबर-2 फीडर के 400 केवी एबीबी निर्मित सर्किट ब्रेकर की सफलतापूर्वक इन-हाउस ओवरहॉलिंग कर कंपनी को लगभग 50 लाख रुपये की बचत कराई है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर.सी. शर्मा की पहल पर अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा लगभग एक सप्ताह तक सतत प्रयास कर यह कार्य पूर्ण किया गया। यह सर्किट ब्रेकर बिरसिंहपुर ताप विद्युत गृह से आने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण 400 केवी फीडर पर स्थापित है, जिसके माध्यम से लगभग 350 मेगावॉट विद्युत का पारेषण होता है। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था की दृष्टि से यह फीडर अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण फीडर पर स्थापित सर्किट ब्रेकर की सफल ओवरहॉलिंग ने न केवल इसकी विश्वसनीयता बढ़ाई है, बल्कि विद्युत आपूर्ति की निर्बाधता और ग्रिड सुरक्षा को भी सुदृढ़ किया है। लगभग 20 वर्ष पुराने फर्स्ट जनरेशन सर्किट ब्रेकर के स्पेयर पाट्र्स उपलब्ध न होने के बावजूद कटनी डिवीजन की टीम ने अपनी तकनीकी दक्षता और अनुभव का परिचय देते हुए इसका निरीक्षण, परीक्षण, मरम्मत एवं आवश्यक पाट्र्स का प्रतिस्थापन किया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य में ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग दमोह एवं कटनी का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इसे कंपनी की तकनीकी क्षमता, संसाधनों के कुशल उपयोग, लागत नियंत्रण एवं आत्मनिर्भर कार्य संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए संबंधित अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कंपनी के अभियंता अपनी विशेषज्ञता के बल पर महत्वपूर्ण उपकरणों के रखरखाव एवं पुनसंर्चालन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

देशभक्ति, अनुशासन और आत्मविश्वास से गूंजा पीटीसी इंदौर का दीक्षांत समारोह

983 नव आरक्षक मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्यधारा में शामिल डीजीपी कैलाश मकवाणा ने दिलाई जनसेवा की सीख

भोपाल। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) इंदौर में मंगलवार को 78वें नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का भव्य दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। देशभक्ति, अनुशासन और आत्मविश्वास से ओतप्रोत नव आरक्षकों की आकर्षक परेड ने उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। मध्यप्रदेश पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने मुख्य अतिथि के रूप में परेड की सलामी ली तथा खुली जिप्सी में सवार होकर निरीक्षण किया।

करीब एक वर्ष के कठिन एवं बहुआयामी प्रशिक्षण के बाद 983 नव आरक्षक मध्य प्रदेश पुलिस की मुख्यधारा में शामिल हुए। इनमें 787 महिला और 196 पुरुष आरक्षक शामिल हैं। समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) रवि कुमार गुप्ता, पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह सहित अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षुओं के अभिभावक एवं पुलिस परिवारजन उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस की वास्तविक शक्ति उसके अधिकार या हथियार नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है। जब कोई पीड़ित व्यक्ति पुलिस के

पास आता है तो वह न्याय के साथ संवेदनशीलता और भरोसे की अपेक्षा भी करता है। इसलिए प्रत्येक पुलिसकर्मी का व्यवहार, आचरण और मानवीय दृष्टिकोण उसकी सबसे बड़ी पहचान होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। साइबर अपराध, डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में पुलिसकर्मियों को तकनीकी रूप से दक्ष, मानसिक रूप से मजबूत और नैतिक रूप से प्रतिबद्ध होना आवश्यक है। प्रशिक्षण समाप्त हो सकता है, लेकिन सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती।डीजीपी मकवाणा ने नव आरक्षकों से कहा कि वर्दी केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि उससे कहीं अधिक जिम्मेदारी भी सौंपती है। समाज पुलिसकर्मी को उसकी वर्दी से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और चरित्र से पहचानता है। उन्होंने नव आरक्षकों से 'देशभक्ति-जनसेवा' के मूल मंत्र को जीवनभर आत्मसात करने का आह्वान किया।

उन्होंने वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त बनाने में पुलिस बल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए साइबर अपराध और नशे को समाज के सामने उभरती बड़ी चुनौतियां बताया। साथ ही आगामी सिंहस्थ-2028 को पुलिस के लिए महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए नव आरक्षकों से इसके सफल संचालन में योगदान देने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक पीटीसी इंदौर वाहनी सिंह ने बताया कि पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय इंदौर देश के प्रतिष्ठित आरक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल है। बीपीआरएंडडी, नई दिल्ली द्वारा इसे दो बार देश के सर्वश्रेष्ठ आरक्षक प्रशिक्षण संस्थान का सम्मान प्राप्त हो चुका है।

संस्थान अब तक 27 हजार से अधिक आरक्षकों को प्रशिक्षित कर पुलिस सेवा के लिए तैयार कर चुका है।दीक्षांत समारोह से पूर्व आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रशिक्षु आरक्षकों ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित प्रेरक नाट्य प्रस्तुति सहित अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भारतीय संस्कृति, परंपरा और रचनात्मकता से सजे कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार
बुधवार, 10 जून 2026
विक्रम संवत्– 2083, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, दशमी

टीएमसी की चुनौती!

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार ने न केवल ममता बनर्जी के 15 वर्षीय शासन का अंत किया, बल्कि पार्टी के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगभग 215 सीटों से घटकर मात्र 80 सीटों पर सिमट जाना और ममता बनर्जी का अपनी भवानीपुर सीट से हार जाना टीएमसी के लिए एक बड़े झटके से अधिक है। यह हार पार्टी की आंतरिक कमजोरियों, संगठनात्मक थकान और नेतृत्व संकट को उजागर करती है। अब सबसे बड़ी चुनौती पार्टी को एकजुट रखने की है, क्योंकि विपक्ष में जाने के बाद टूटने की आशंका सबसे अधिक होती है। टीएमसी मूल रूप से ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता और उनके करिश्माई नेतृत्व पर टिकी रही है। 'दीदी' की छवि ने पार्टी को एक परिवार की तरह जोड़े रखा, लेकिन लंबे शासनकाल में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, हिंसा और प्रशासनिक नाकामियों के आरोपों ने आधार को कमजोर कर दिया। युवा बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर जनता का रोष स्पष्ट था। हार के बाद कई स्थानीय नेता, जिन्होंने वर्षों तक पार्टी की डांडी पर सवार होकर सत्ता का लाभ उठाया, अब असंतोष व्यक्त कर रहे हैं। कुछ तो भाजपा की ओर रुख करने के संकेत दे चुके हैं। ऐसे में पार्टी के भीतर गुटबाजी उभरना स्वाभाविक है। अभिषेक बनर्जी जैसे युवा नेताओं पर पार्टी का भविष्य निर्भर करता है, लेकिन ममता के बाद का काल आसान नहीं होगा। कई वरिष्ठ नेता, जो ममता के करीबी रहे, नई पीढ़ी के उदय से असहज महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा, सांसदों-विधायकों की बगावत की आशंका भी है। चुनावी हार के बाद संसाधनों की कमी, सरकारी मशीनरी का न मिलना और कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरना पार्टी को और कमजोर करेगा। ऐसी स्थिति में 'पार्टी पहले' की भावना बनाए रखना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होगा। एकजुटता बनाए रखने के लिए टीएमसी को कई कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, आत्मावलोकन आवश्यक है। हार के कारणों का निष्पक्ष विश्लेषण कर नीतियों में बदलाव लाना चाहिए, जैसे भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता, युवाओं के लिए रोजगार योजनाएं और संगठनात्मक पुनर्गठन। ममता बनर्जी को पार्टी के भीतर लोकतंत्र को बढ़ावा देना होगा, ताकि असंतुष्ट स्वर दबाए न जाएं बल्कि उन्हें शामिल किया जाए। विपक्ष की भूमिका में सशक्त आलोचना, जनसंपर्क और आंदोलनों के जरिए जनता से दोबारा जुड़ना होगा। दूसरा, क्षेत्रीय नेताओं को मजबूत करना। बंगाल की विविधता और उत्तर, दक्षिण, ग्रामीण और शहरी को ध्यान में रखकर स्थानीय मुद्दों पर फोकस जरूरी है। तीसरा, वैचारिक स्पष्टता। टीएमसी ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और संघीय ढांचे की बात की है, लेकिन इसे व्यावहारिक रूप से लागू करने की जरूरत है। इतिहास गवाह है कि हार के बाद कई क्षेत्रीय दल टूट गए या कमजोर हो गए। तेलुगु देशम, एआईएडीएमके या यहां तक कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का उदाहरण सामने है। टीएमसी अगर एकजुट रही तो 2031 में वापसी संभव है, अन्यथा वह बंगाल की राजनीति से गायब हो सकती है। ममता बनर्जी की लचीलापन प्रसिद्ध है, लेकिन अब उन्हें पार्टी को व्यक्तिगत नेतृत्व से संस्थागत ढांचे में बदलना होगा। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को याद रखना चाहिए कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन जनता का विश्वास पुनः अर्जित करने के लिए एकता बहुत ही आवश्यक है। बंगाल की राजनीति में बदलाव आया है। टीएमसी के पास समय है खुद को नया रूप देने का, बशर्ते वह फूट से बच सके। एकजुट टीएमसी बंगाल की राजनीति का अहम स्तंभ बनी रहेगी, अन्यथा इतिहास उसे सिर्फ एक अध्याय के रूप में याद रखेगा।

लो खबर बंगाल का !

कृष्णेन्द्र राय

टूटे हैं ? विधायक,
अब सांसद भी टूटेंगे ।
आ के पार्टी को बचा लो दीदी ममता ।।
बिन विधायक, बिन सांसद ।
हाल क्या होगा आपका ?
जल्दी छोड़ो दिल्ली अब ।
लो खबर बंगाल का ।।
इंडी के चक्कर में देखो ।
हो गया सत्यानाश है ।।
दे रहे सारे धोखा ।
समझा जिनको खास है ।।
यहां-वहां घूमने से ।
कुछ ना मिलेगा ।।
आ के पार्टी को संभालो ।
दीदी ममता...दीदी ममता ।।

नेत्रदानः अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं।

इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं।

भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने

विश्व नेत्रदान दिवस

लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है।

मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती। नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है।

विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान 'साइट फर्स्ट' दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है। नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती।

आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही 'विश्व नेत्रदान दिवस' की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

वीरगति दिवस पर विशेष : नायक विजय पाल सेना मेडल 'मरणोपरांत'

हरी राम यादव

कारगिल की गगनचुंबी पहाड़ियों पर सन 1999 की गर्मियों में भारतीय सेना द्वारा लड़ा गया युद्ध आज भी लोगों के जेहन में उसी तरह छाया हुआ है जैसे 27 साल पहले छाया था। उन पहाड़ियों की ऊंचाई का अनुमान लगाकर मन भयाहवाता का सहज अनुमान लगा लेता है। आक्सीजन की कमी, खड़ी चढ़ाई, माइनस से नीचे का तापमान, दस कदम चलते ही फूलती सांसें , ऊपर से आती दुश्मन की गोलियां, नजदीक फटते हैंड ग्रेनेड, नीरवता को चीरते हुए भयानक आवाज करते तोपखाने के गोले, यह चित्रण उस आपरेशन विजय का है जिसका घाव मई का महीना आते ही हरा हो जाता है। यह पाकिस्तान द्वारा दिया गया धोखे का घाव है। उस समय, हमारे सैनिकों की शहादत का सन्नाटा आज भी मन को व्यथित कर देता है। एक ऐसी ही शहादत का सन्नाटा जनपद फतेहपुर के झाऊपुर में छाया जिसने एक परिवार की खुशियों को छीन लिया, उस बच्ची विजेता से उसके पिता को छीन लिया जो इस दुनिया में आयी ही नहीं थी।

जनपद फतेहपुर के गाँव झाऊपुर के नायक विजय पाल सिंह यादव 10 पैरा (विशेष बल) में तैनात थे। उस समय इनकी सेवा कुल ढाई साल थी और शादी को केवल 16 महीने हुए थे। इनकी यूनिट भारतीय सेना की एक विशेष यूनिट है, इसे हर तरह के आपरेशन में लड़ने की महारत हासिल है इसीलिए घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए इस ऑपरेशन में इसे लाया गया था।

10 जून को खालूबार रिज पर घुसपैठियों से लड़ते हुए नायक विजय पाल सिंह यादव वीरगति को प्राप्त हो गए थे। 10 पैरा (विशेष बल) के सैनिकों ने खालूबार रिज पर बहादुरी से लड़ते हुए घुसपैठियों को चुन चुन कर मारा था नायक विजय पाल सिंह यादव को प्रदर्शित साहस , वीरता और बलिदान के लिए मरणोपरांत सेना मेडल (वीरता) से अलंकृत किया गया।

नायक विजय पाल सिंह यादव का जन्म 20 मार्च 1975 को जनपद फतेहपुर के गाँव झाऊपुर में श्रीमती सुखदेई यादव और श्री राम सागर यादव के यहाँ हुआ था। इन्होने अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राइमरी पाठशाला गोहरारी, जूनियर और हाई स्कूल तक की शिक्षा बलदेव गिरी इंटर कालेज, आमौली और इंटरमीडिएट की शिक्षा सर्वोदय इंटर कालेज बुढवा, फतेहपुर से पूरी की। स्कूली शिक्षा पूरी करने के पश्चात 18 दिसम्बर 1995 को भारतीय सेना में भर्ती हो गए और प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात इनकी तैनाती 10 पैरा विशेष बल में हुई। इनके परिवार में इनके माता पिता , भाई अजय पाल सिंह यादव, पत्नी श्रीमती सुषमा यादव और इनकी पुत्री विजेता यादव हैं। इनके साहस, वीरता और बलिदान को लोगों की याद में बनाये रखने के लिए इनके परिजनों द्वारा गांव में इनकी प्रतिमा का निर्माण करवाया गया है। अभी हाल ही में इनके नाम पर एक शौर्य द्वार का निर्माण होना आदेशित हुआ है। जनपद कानपुर में इनके नाम पर 'कारगिल विजय फ्यूल सेंटर' है, जिसे वीरगति के बाद भारत सरकार द्वारा इनके परिजनों को आवंटित किया गया था। इनके परिजनो द्वारा अपने पैतृक गांव में प्रतिवर्ष 10 जून को वीरगति दिवस मनाया जाता है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

'दो कौड़ी' से करोड़ों उम्मीदों तक, नए भारत की शिक्षा क्रांति

पियूष कश्यप

गुरु दीपक सम जल रहे, खुद जलकर दें ज्ञान।
अंधियारे से लड़ रहे, लेकर शिक्षा-प्राण॥

भारत में गुरु को सदैव ईश्वर से भी उच्च स्थान दिया गया है। हमारे समाज में शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि पीढ़ियों का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक माना जाता है। समय के साथ शिक्षा के स्वरूप बदलते रहे हैं। गुरुकुल से विद्यालय, विद्यालय से विश्वविद्यालय और अब डिजिटल युग में शिक्षा मोबाइल और कंप्यूटर की स्क्रीन तक पहुंच चुकी है।

आज भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां कुछ शिक्षक केवल अध्यापक नहीं रह गए हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं की उम्मीद, संघर्ष और सपनों का प्रतीक बन गए हैं। खान सर, अलख पांडेय, नीतू मैम, रोशन आनंद, अभिनव सर और ऐसे अनेक शिक्षकों ने शिक्षा को केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यही कारण है कि आज देश के दूर-दराज गांवों से लेकर महानगरों तक लाखों विद्यार्थी इन शिक्षकों को केवल शिक्षक नहीं, बल्कि अपने जीवन का मार्गदर्शक मानते हैं।

बहुत समय पहले तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी बड़े शहरों तक सीमित मानी जाती थी। दिल्ली, कोटा, प्रयागराज, पटना और अन्य प्रमुख शहरों की कोचिंग संस्थाओं में पढ़ना हर विद्यार्थी के लिए संभव नहीं था। लाखों रुपये की फीस, रहने-खाने का खर्च और अन्य आर्थिक बोझ गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। देश के लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल इसलिए पीछे रह जाते थे क्योंकि उनके पास संसाधन नहीं थे। शिक्षा धीरे-धीरे सेवा से अधिक व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देने लगी थी। ऐसे समय में इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरूआत की। यूट्यूब और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने ज्ञान को उन घरों तक पहुंचा दिया जहां पहले अच्छी कोचिंग का नाम तक नहीं पहुंचता था।

विडंबना यह है कि जिन शिक्षकों ने शिक्षा को बड़े शहरों की ऊंची इमारतों और महंगी कोचिंगों से निकालकर गांवों की चौपाल, कस्बों की गलियों और गरीब विद्यार्थियों के मोबाइल फोन तक पहुंचाया, उन्हीं शिक्षकों को लेकर समय-समय पर अपमानजनक टिप्पणियां भी सुनने को मिलीं।

हाल के विवादों में जब कुछ चर्चित शिक्षकों के लिए 'दो कौड़ी' जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया, तब करोड़ों विद्यार्थियों ने इसे केवल किसी व्यक्ति विशेष का अपमान नहीं, बल्कि उस वैकल्पिक शिक्षा आंदोलन के प्रति उपेक्षा के रूप में देखा जिसने लाखों युवाओं को अवसर दिया है। किसी शिक्षक से असहमति हो सकती है, उसके विचारों की आलोचना की जा सकती है, लेकिन उन लोगों को तुच्छ साबित करने का प्रयास, जिन्होंने शिक्षा को अभिजात वर्ग की सीमा से निकालकर आम जनता तक पहुंचाया, समाज में एक गंभीर बहस का विषय है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम व्यक्तियों से अधिक उनके योगदान का मूल्यांकन करें, क्योंकि जिन कक्षाओं को कभी नजरअंदाज किया गया था, वहीं से निकलकर आज देश के हजारों अधिकारी, शिक्षक, इंजीनियर और कर्मचारी राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यही वह दौर था जब कुछ शिक्षकों ने शिक्षा को जनसामान्य तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने महसूस किया कि यदि मनोरंजन के वीडियो करोड़ों लोगों तक पहुंच सकते हैं तो शिक्षा क्यों नहीं। परिणामस्वरूप लाखों विद्यार्थियों को बहुत कम शुल्क पर या कई बार पूरी तरह निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने लगी। आज एक किसान का बेटा, रिक्शा चालक की बेटी या किसी छोटे गांव का विद्यार्थी भी वही लेक्चर देख सकता है जो किसी बड़े शहर का छात्र देख रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसने शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाया है और अवसरों की खाई को काफी हद तक कम किया है। इन शिक्षकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने विद्यार्थियों को केवल विषय नहीं पढ़ाया, बल्कि आत्मविश्वास भी दिया।

देश के करोड़ों युवाओं में यह भावना पैदा की कि वे भी सफल हो सकते हैं। उनकी कक्षाओं में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र या आर्थिक स्थिति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। वहां केवल एक पहचान होती है–विद्यार्थी। एक ही वीडियो को उत्तर प्रदेश का छात्र भी देखता है, तमिलनाडु का भी, हिंदू भी, मुस्लिम भी, सिख भी और ईसाई भी। शिक्षा का यही स्वरूप भारत की वास्तविक आत्मा को मजबूत करता है। जब समाज विभिन्न प्रकार की पहचान-आधारित बहसों में उलझा रहता है, तब शिक्षा लोगों को जोड़ने का कार्य करती है। इन शिक्षकों ने यह भी साबित किया है कि लोकप्रियता केवल मनोरंजन, फिल्मी दुनिया या राजनीतिक प्रभाव से ही प्राप्त नहीं होती, बल्कि ज्ञान और समर्पण के बल पर भी करोड़ों लोगों के दिलों में स्थान बनाया जा सकता है।

यदि आज देश के सबसे लोकप्रिय शिक्षकों की बात की जाए तो अंग्रेजी शिक्षण के क्षेत्र में नीतू मैम का नाम सबसे प्रमुखता से सामने आता है, जिनकी कक्षाओं ने लाखों प्रतियोगी विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के भय से मुक्त किया है। इसी प्रकार खान सर ने सामान्य अध्ययन और समसामयिक विषयों को सरल भाषा में समझाकर शिक्षा को आम विद्यार्थियों तक पहुंचाया है। अलख पांडेय (फिजिक्स वाला) ने विज्ञान और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को अपेक्षाकृत कम लागत पर उपलब्ध कराकर शिक्षा जगत में नई मिसाल प्रस्तुत की है।

रोशन आनंद, अभिनव सर, विकास दिव्यकीर्ति, अवध ओझा सर, पवन राव, रजनीकांत सर, प्रशांत धवन, अतुल गर्ग, सचिन सर, मोहित गोयल, विवेक सिंह, रमन तिवारी, नवीन सर, संदीप माहेश्वरी (करियर और प्रेरणा के क्षेत्र में), तथा विभिन्न विषयों के अनेक अन्य डिजिटल शिक्षक आज लाखों युवाओं के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं।

इन शिक्षकों की लोकप्रियता किसी विज्ञापन एजेंसी या महंगे प्रचार अभियान की देन नहीं है। इनके पीछे करोड़ों विद्यार्थियों का विश्वास खड़ा है, जिन्होंने इनकी कक्षाओं से सीखकर अपने जीवन की दिशा बदली है। इन शिक्षकों के वीडियो देश के छोटे-छोटे गांवों, कस्बों और दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जहां कभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक सपना हुआ करती थी। उनकी कक्षाओं में एक साथ लाखों विद्यार्थी जुड़ते हैं और उन्हें केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और संघर्ष का संदेश भी मिलता है। आज हजारों-लाखों विद्यार्थियों का चयन विभिन्न सरकारी सेवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं, इंजीनियरिंग, मेडिकल, बैंकिंग, एसएससी, यूपीएससी और अन्य पेशेवर क्षेत्रों में हुआ है। इन सफलताओं ने केवल विद्यार्थियों का जीवन नहीं बदला, बल्कि उनके परिवारों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को भी मजबूत किया है। किसी किसान के बेटे का अधिकारी बनना, किसी मजदूर की बेटी का शिक्षक या इंजीनियर बनना, किसी छोटे गांव के छात्र का राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना–यही इन शिक्षकों की सबसे बड़ी उपलब्धि और वास्तविक सफलता है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7821

★★★ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7820 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

आज का राशिफल

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे।

वृष- आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

मिथुन- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

कर्क- कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। योग्यताएं सम्मान दिलायेंगी।

सिंह- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

कन्या- व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी।

तुला- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी।

वृश्चिक- कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

धनु- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। नौकरी में सहयोग मिलेगा।

मकर- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ- विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुग-र्जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है।

मीन- कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है।

पं0 सुभाष पाण्डेयः हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

दंपती पर हाथी का हमला, दोनों की मौत से गांव में दहशत

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। वनांचल क्षेत्र के कुंदी गांव में जंगल की ओर जा रहे एक ग्रामीण दंपती पर दंतैल हाथी ने हमला कर दिया। हाथी के हमले में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में भय और दहशत का माहौल है। जबकि वन विभाग ने आसपास के क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार कुंदी कला के बांधपारा निवासी जूठन राम गोंड़ (65 वर्ष) और उनकी पत्नी सुंदरी बाई (56 वर्ष) रोजाना की तरह सुबह घर से निकले थे। बताया जा रहा है कि दोनों घर से लगभग 200 मीटर दूर जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उनका वहां विचरण कर रहे एक दंतैल हाथी से सामना हो गया। हाथी ने दोनों पर हमला कर दिया और कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

वन परिक्षेत्राधिकारी अजय वर्मा ने बताया कि घटना के समय जूठन राम कक्ष क्रमांक पी-2740 से लगे कच्चे मार्ग पर मिले, जबकि उनकी पत्नी का शव करीब 10 मीटर दूर जंगल के भीतर पाया गया। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों ने बचने का प्रयास किया, लेकिन हाथी के हमले से नहीं बच सके। वन विभाग के अनुसार सोमवार शाम लगभग सात बजे पांच हाथियों का दल सूरजपुर वनमंडल क्षेत्र से होते हुए राजपुर वन परिक्षेत्र के अखोरा, जवाखांड और कल्याणपुर क्षेत्र में पहुंचा था। इसी दौरान एक हाथी झुंड से अलग होकर कुंदी क्षेत्र के जंगल में रुक गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इसी अकेले हाथी ने दंपती पर हमला किया। वन विभाग का कहना है कि हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए सोमवार शाम से ही कर्मचारियों और हाथी मित्र दल के सदस्यों को क्षेत्र में तैनात किया गया था। पूरी रात गांवों में मुनादी कर लोगों को जंगल की ओर नहीं जाने तथा सतर्क रहने की सलाह दी गई थी। अधिकारियों के मुताबिक मृतकों के परिजनों को उनके नाती ने भी सुबह बाहर जाने से मना किया था, लेकिन वे रोजमर्रा की तरह घर से निकल गए। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीओ वन रविशंकर श्रीवास्तव, रेंजर अजय वर्मा, डिप्टी रेंजर मालती मांझी सहित वन विभाग की टीम और राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

वन विभाग ने मृतक दंपती के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में 25-25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की है। इसके अतिरिक्त नियमानुसार प्रक्रिया पूरी होने के बाद 5 लाख 75 हजार रुपये प्रति मृतक की शेष अनुग्रह सहायता राशि भी प्रदान की जाएगी। वन विभाग ने हाथी प्रभावित गांवों के लोगों से अपील की है कि हाथियों की मौजूदगी के दौरान जंगल की ओर न जाएं, भीड़ न लगाएं और हाथी दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना दें। फिलहाल हाथी की निगरानी की जा रही है और आसपास के गांवों में अलर्ट जारी किया गया है।

सीएएफ कैंप में जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली, मौत

कोण्डागांव। कोंडागांव। जिले के उरंदाबेड़ा क्षेत्र स्थित सीएएफ कैंप में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब ड्यूटी पर तैनात एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे कैंप में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान जवान जोगेंद्र नेताम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जोगेंद्र नेताम फरसगांव क्षेत्र के उरंदाबेड़ा थाना अंतर्गत स्थित सीएएफ कैंप में तैनात थे।

ड्यूटी के दौरान उन्हें गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही उरंदाबेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आत्मघाती कदम उठाने की आशंका नजर आ रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि घटना के कारणों को लेकर अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। एसपी पंकज चंद्रा ने उरंदाबेड़ा थाना प्रभारी को मामले की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं।

ईसाई धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर रोक का लगा सूचना बोर्ड

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ईरागांव में धर्मांतरण गतिविधियों को लेकर आज मंगलवार को एक सूचना बोर्ड लगाया गया है। इसमें ईसाई धर्म प्रचारक पादरी एवं पास्टरों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध की जानकारी दी गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, यह निर्णय ग्रामसभा में चर्चा के बाद लिया गया। कुछ दिन पहले एक महिला की मौत के बाद शव दफनाने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद यह निर्णय सामने आया। ग्रामीणों का कहना है कि, धर्म परिवर्तन के बाद कुछ लोग गांव की परंपराओं, पूजा-पद्धति, देवी-देवताओं एवं सामाजिक व्यवस्थाओं से दूरी बना लेते हैं। इससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। इसी को देखते हुए ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित किया गया। धर्मांतरण गतिविधियों के उद्देश्य से आने वाले पादरी-पास्टरों के गांव में प्रवेश पर रोक लगाने का फैसला लिया गया। इस संबंध में गांव में सूचना बोर्ड भी स्थापित किया गया है। इस दौरान ग्राम पटेल प्रयाग सिंह कोरेटी, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, भागवत कोरेटी, मयाराम आंचला, पुखराज आंचला, गैंद सिंह हिडको, ज्वाला प्रसाद जैन, चैतू आंचला, बालसिंह कोरेटी, गौतम उसेण्डी व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नगरनार में प्रवेश को आवेदन 15 जून तक आमंत्रित

जगदलपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नगरनार, जिला-बस्तर में प्रवेश सत्र 2026-27 में संचालित एक वर्षीय व्यवसाय कोपा में प्रवेश के लिए 15 जून तक आमंत्रित किये गए है। इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट ूे३ःे२ल्ल.ल्ल.ल्ल पर जाकर आवेदन स्वयं अथवा छत्तीसगढ़ स्थित किसी भी लोक सेवा केन्द्र (चॉईस सेंटर) के माध्यम से उक्त पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के पूर्व अभ्यर्थी उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका का भली-भांति अध्ययन कर लें। किसी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिये अभ्यर्थी कार्यालय में उपस्थित होकर या 9406269531, 9827077296 पर संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

आईटीबीपी के जवानों ने अबूझमाड़ के वनांचल में बनाया सात लकड़ी के पुल

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ के सुदूर वनांचल में बारिश की पहली बूंद गिरते ही जहां जिंदगी थम जाती थी, जहां उफनते नदी-नाले ग्रामीणों को महीनों तक दुनिया से काट देते थे, उस अबूझमाड़ में नक्सलवाद के खात्में के बाद आईटीबीपी 53वीं वाहिनी के जवानों ने घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच मोर्चा संभालते हुए रिकॉर्ड समय में 7 नए लॉग ब्रिज (लकड़ी के मजबूत पुल) तैयार कर दिए हैं। अब बारिश के चार महीनों में न तो इलाज के लिए किसी गर्भवती महिला को खाट पर नदी पार करनी पड़ेगी। न ही बच्चों की पढ़ाई रुकेगी। आईटीबीपी के संजय कुमार से मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों की मांग पर सेनानी का क्विक एक्शन माड़ डिविजन के नवस्थापित सीओबी कोडेनार, अडिंगपार और मड़ोड़ा क्षेत्र के ग्रामीणों ने आईटीबीपी से मुलाकात कर अपनी बरसों पुरानी पीड़ा साझा की थी। ग्रामीणों ने बताया था कि, मानसून आते ही नाले उफान पर आ जाते हैं। वे अपने ही घरों में कैद हो जाते हैं। इस संवेदनशील मामले की गंभीरता को देखते हुए आईटीबीपी ने बिना वक्त गंवाए त्वरित कार्रवाई करते हुए पुल निर्माण का जिम्मा उठाया। अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस इलाके में निर्माण कार्य करना किसी चुनौती से कम नहीं था।

कल रायपुर की 42 टंकियों से पानी सप्लाई रहेगी बाधित

रायपुर। राजधानी रायपुर के कई इलाकों में विद्युत लाइन से जुड़े तकनीकी कार्य के चलते 11 जून को पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। शहर के प्रमुख जल शोधन संयंत्रों का संचालन कुछ समय के लिए बंद रहेगा, जिसके कारण 10 से अधिक जलागारों से होने वाली शाम की जलापूर्ति नहीं हो सकेगी। नगर निगम और जल विभाग ने नागरिकों से पहले से पानी का पर्याप्त भंडारण करने की अपील की है।

जानकारी के अनुसार, रावणभाटा उपकेंद्र में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 33 केवी फीडर लाइन से संबंधित अंडरग्राउंड केबल जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी, जिससे इंटेकवेल और जल शोधन संयंत्रों का संचालन प्रभावित होगा। तकनीकी कार्य के चलते 80 एमएलडी, न्यू 80 एमएलडी और 150 एमएलडी क्षमता वाले फिल्टर प्लांट अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। इसका सीधा असर शहर के 42 जलागारों पर पड़ेगा और इनसे जुड़े क्षेत्रों में 11 जून की शाम पानी नहीं पहुंच पाएगा। प्रभावित इलाकों में डंगनिया, गुढ़ियारी, शंकर नगर, तेलीबांधा, खमतराई, भनपुरी, भाठागांव, कुशालपुर, डीडी नगर, सरोना, टाटीबंध, कोटा, कबीर नगर, अमलीडीह, अवंति विहार, मोवा, सड्डू, कचना, रायपुरा, जोरा, देवेंद्र नगर, संजय नगर सहित कई अन्य क्षेत्र शामिल हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, 11 जून की सुबह नियमित जलापूर्ति की जाएगी, लेकिन शाम की सप्लाई बाधित रहेगी। वहीं 12 जून से जल वितरण व्यवस्था सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी। जिन क्षेत्रों की जलापूर्ति अन्य जलागारों और पंपिंग स्टेशनों से होती है, वहां सेवा सामान्य बनी रहेगी।

रोजगार का बड़ा अवसरः जून और जुलाई में लगेंगे दो विशाल रोजगार मेले

जगदलपुर। बस्तर संभाग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर आने वाला है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, जगदलपुर द्वारा जून और जुलाई माह में दो बड़े रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है, जहां निजी क्षेत्र की कंपनियां और संस्थान युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में भाग लेने वाले युवाओं और नियोक्ताओं से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

उपसंचालक रोजगार से प्राप्त जानकारी के अनुसार रोजगार मेला आगामी मंगलवार 16 जून से शुरू होने जा रही हैं, जब क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के पास आड़ावाल स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के परिसर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके ठीक बाद अगले महीने 7 जुलाई को एक बड़े स्तर पर संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन आड़ावाल स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों ने बस्तर और आसपास के सभी निजी फर्मों, संस्थाओं, कार्यालयों और दुकान संचालकों से सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। ऐसे सभी नियोक्ता जो रोजगार मेले के माध्यम से अपने यहां खाली पड़े पदों को भरना चाहते हैं, वे बेहद आसान तरीकों से अपनी रिक्तियों की जानकारी विभाग को साझा कर सकते हैं। इसके लिए वे छत्तीसगढ़ शासन के आधिकारिक पोर्टल १ङ्क-ॅ१ॅङ्क५.ल्ल पर जाकर रोजगार मेला नियोक्ता पंजीयन विकल्प के माध्यम से ऑनलाइन लॉग-इन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नियोक्ता अपनी आवश्यक जानकारी कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी ग्रिशी-स्त्र'@ॅ'.ङ्क पर भेज सकते हैं या फिर कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर पत्र के माध्यम से भी विवरण सौंप सकते हैं। रिक्तियों की जानकारी भेजते समय नियोक्ताओं को पदवार खाली सीटों की संख्या, आवश्यक शैक्षणिक व तकनीकी योग्यता, अनुभव और प्रति माह वेतन का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। विस्तृत जानकारी होने से योग्यता के अनुसार सही और योग्य युवाओं को इन पदों की ओर आकर्षित करने में आसानी होगी। इस पूरे आयोजन और पंजीयन प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी प्रकार की पूछताछ या तकनीकी सहायता के लिए कार्यालयीन समय में विभागीय दूरभाष नंबर 07782-264376 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

नारायणपुर में धर्मांतरण को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के भरंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत भरंडा गांव में सोमवार रात को धर्मांतरण के आरोपों को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि, 'प्रेस' लिखी गाड़ी में पहुंचे कुछ लोग आदिवासी समुदाय के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने की बात कह रहे थे। इस बात को लेकर विरोध शुरू हुआ और दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस घटना में कुछ ग्रामीण घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है, गांव में तनाव का माहौल है। भरंडा पुलिस का कहना है कि, पूरे मामले की जांच की जा रही है। संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम 'प्रेस' लिखी एक गाड़ी में सवार पास्टर समेत 2-3 लोग भरंडा गांव पहुंचे। आरोप है कि गांव के एक घर में धार्मिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। मामले की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए और विरोध करने लगे। इस दौरान धर्मांतरित समुदाय के कुछ लोगों और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते कहासुनी से बढ़कर मारपीट में बदल गया। इस घटना में महिला सहित 2-3 लोग घायल हो गए। वहीं बवाल की सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंची। किसी तरह स्थिति पर काबू पाया गया और घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना था कि, पास्टर और कुछ लोग प्रेस लिखी गाड़ी से पहुंचे थे। जिससे पत्रकारिता की छवि भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने पास्टर समेत बाकी लोगों को थाने ले जाने के दौरान विरोध जताया और इन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव और आस-पास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत बनाए रखने का प्रयास कर रही है।

खरीफ सीजन के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

जगदलपुर। खरीफ फसल सीजन 2026-27 के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक और कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा उनकी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कृषि विभाग ने जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यह नियंत्रण कक्ष कृषि आदान सामग्रियों के भंडारण, वितरण और बिक्री की सतत निगरानी करेगा। साथ ही खाद-बीज की कालाबाजारी और अनियमितताओं में लिप्त पाए जाने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपसंचालक कृषि से मिली जानकारी के अनुसार जिले में खाद एवं बीज विक्रय करने वाले निजी प्रतिष्ठानों का नियमित रूप से लगातार निरीक्षण किया जा रहा है और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित फर्म के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है। जिले की सभी सहकारी समितियों और निजी उर्वरक विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे किसानों को बेचे जाने वाले उर्वरक की कृषकवार जानकारी रजिस्टर में अनिवार्य रूप से संधारित करें।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग की टीम सहित उर्वरक निरीक्षकों द्वारा जिले के बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण कर अब तक जिले के 31 विक्रय केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और 21 विक्रय केंद्रों में उर्वरक की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अतिरिक्त दो केंद्रों के उर्वरक प्राधिकार पत्र को निलंबित करने के साथ ही एक केंद्र के प्राधिकार पत्र को स्थायी रूप से निरस्त कर दिया गया है, जबकि एक अन्य बिक्री केंद्र के पूरे स्टॉक को जब्त कर कार्यवाही हेतु प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस पूरी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए कृषि विभाग ने जिले के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि यदि उन्हें बीज, खाद या कीटनाशक दवाओं की खरीदी या गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलती है, तो वे सीधे जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों से संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष में सहायक संचालक कृषि लखनधर दीवान से उनके मोबाइल नंबर 7000258043 पर या वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बलराम प्रसाद से 9425262714 पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही कृषि विकास अधिकारी विक्रम भदौरिया के नंबर 9755588208, केके झा के नंबर 9424283895 और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श रोहित द्विवेदी के नंबर 9407642792 पर भी सीधे शिकायत दर्ज कराई जा सकती है ताकि किसानों की समस्याओं का तुरंत निराकरण किया जा सके।

मुख्यमंत्री उत्कर्ष योजनांतर्गत छठवीं में प्रवेश के लिए आवेदन 20 जून तक

कांकेर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 हेतु कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन 5 जुलाई दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। इसके लिए आवेदन आगामी 20 जून तक आमंत्रित किए गए हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि, परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को वर्तमान में कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत होना आवश्यक है तथा कक्षा चौंथी की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड से प्राप्त करने वाले विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल होने हेतु पात्र होंगे तथा चयन परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयनित किए जाएंगे। परीक्षा की पात्रता के संबंध में बताया गया कि प्रवेश हेतु आयोजित चयन परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के पालक की वार्षिक आय 2.50 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके लिए कक्षा 5वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अपने आवेदन पत्र के साथ कक्षा चौंथी की अंकसूची, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पालक का आय प्रमाण पत्र, आयकरदाता नहीं होने का प्रमाण पत्र, संस्था का ग्रामीण क्षेत्र में होने का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना है। योजनांतर्गत जिले में कुल 08 विद्यार्थियों का चयन कर राज्य स्थित उत्कृष्ट शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश दिया जाएगा। उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए विद्यार्थी अपनी शाला में आवेदन पत्र समस्त दस्तावेजों के साथ 20 जून 2026 तक जमा कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय अथवा कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

उद्योग मंत्री ने किया 40 लाख के सड़क डामरीकरण कार्य का शुभारंभ

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्रीलखनलाल देवांगन ने दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 54 में 40 लाख रुपए की लागत से किये जाने वाले सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन व शुभारंभ किया। उन्होने कार्य का शुभारंभ करते हुये पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करने एवं शीघ्र कार्य को पूरा किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लगातार किये जा रहे विकास कार्यो की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 54 में कुमगरी मुख्य चैक से पण्डाल होते हुये प्राथमिक शाला कुमगरी तक 40 लाख रुपए से सड़क डामरीकरण का कार्य किया जाना हैं। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने उक्त महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन किया, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण व नारियल तोड़कर का कार्य शुभारंभ कराया। इस अवसर पर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, वार्ड पार्षद मुकुंद सिंह कंवर, फिरतराम साहू, चन्द्रलोक सिंह, किशन केंवट आदि सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

ढाई वर्ष के दौरान निगम क्षेत्र में 1000 करोड़ रू. के विकास कार्य स्वीकृत - उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आशीर्वाद से विगत ढाई वर्ष के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मदों के अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रुपए के विकास कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिसमें अनेकों कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, अनेक प्रगति पर हैं तथा शेष कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होने जा रहे हैं। उन्होने वार्ड क्र. 54 में विकास कार्यो का उल्लेख करते हुये कहा कि इस वार्ड में 93 लाख रुपए के विकास कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, वहीं साढ़े 03 करोड़ रुपए के विकास कार्य प्रगति पर हैं। उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि निगम क्षेत्र में 15 करोड़ रुपए के सड़क डामरीकरण कार्य कराये जाने हैं, जैसे-जैसे डामर की उपलब्धता होती जायेगी, यह कार्य संपादित होंगे। उन्होने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास हो रहा है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं व मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य की विभिन्न योजनाओं से प्रदेश व देश के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होने कहा कि 15 वर्षो तक डॉ.रमन सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, उन्होने राज्य का ऐतिहासिक विकास किया तथा विकास पुरूष की छबि अर्जित की, अब पुनः मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में विकास को तेज गति व सही दिशा दी जा रही है।

उद्योग मंत्री ने जो वायदा किया था, वह पूरा किया - इस अवसर पर वार्ड क्र.54 के पार्षद मुकुंद सिंह कंवर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उद्योग मंत्री श्री लाखनलाल देवांगन इस बस्ती में आये हुये थे, यहॉं की सड़क अत्यंत जर्जर थी, उन्होने वायदा किया था कि इस सड़क का डामरीकरण व जीर्णोद्धार का कार्य किया जायेगा, आज हम सब बस्तीवासियों के लिये अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि श्री देवांगन ने अपना वह वायदा पूरा किया, और आज बस्ती की सड़क का डामरीकरण व जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि मेरे वार्ड में अन्य वार्डो की तरह ही व्यापक रूप से विकास कार्य कराये गये हैं, जिसके लिये मैं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत को धन्यवाद देता हूॅं।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन, वार्ड पार्षद मुकुंद सिंह कंवर, फिरतराम साहू, चन्द्रलोक सिंह, किशन केंवट, रतन सिंह कंवर, भाजपा जिलाउ पाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे, पूर्व मण्डल अध्यक्ष ईश्वर सिंह साहू व नारायण सिंह ठाकुर, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, अनिल यादव, जोन कमिश्नर लीलाधर पटेल, यशवंत जोगी, रितेश सिंह, चंदन दास, अजय कुर्रे, कृष्णा यादव, प्रकाश यादव, अभय कुर्रे, गणेश दास, अजय भट्ट, भागवत प्रसाद, रामप्रसाद केंवट, सरवन यादव, दुर्गा महंत, विक्की तिवारी, विक्रांत कुर्रे, सरस्वती केंवट, नगीना महंत, प्रीति पटेल, दुलारी श्रीवास, बहारन सिंह, बोधन दास, मीना आदित्य, आदि साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शौर्य चक्र से सम्मानित पुलिस के जांबाज अधिकारियों को दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा रक्षा अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ पुलिस के जांबाज इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट एवं इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख को शौर्य चक्र से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंगलवार को कहा कि, यह सम्मान दोनों अधिकारियों के अद्वितीय साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का गौरवपूर्ण प्रमाण है। विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए उन्होंने जिस वीरता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है, वह पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के इन वीर अधिकारियों ने अपने साहसिक कार्यों से न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। उनका यह सम्मान छत्तीसगढ़ के युवाओं को राष्ट्रसेवा और कर्तव्यपरायणता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश को उनके शौर्य और समर्पण पर गर्व है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक : कैलाश नाथ द्वारा शिवम पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनरीज इण्डस्ट्रीज-157प्रेस भवन,मधुवन विहार (झरनेश्वर सोसायटी) ,वार्ड-85, होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र.462047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : सुशील कुमार त्रिपाठी , Mobile-91- 9893982060, Email- mptmnp@gmail.com , website:tarunmitra.in , RNI : MPHIN/2021/79825 ; "इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : एडीजी

पुलिस भर्ती परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

फतेहपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रयागराज जोन के एडीजी ज्योति नारायण ने जिले के परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए।

एडीजी ने पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के साथ थाना कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित राजकीय इंटर कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र के प्रवेश द्वार, परीक्षा कक्षों, कंट्रोल रूम तथा सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से परीक्षण किया। परीक्षा केंद्र में आने वाले अभ्यर्थियों की तलाशी प्रक्रिया, पहचान पत्रों की जांच और प्रवेश व्यवस्था को भी परखा। निरीक्षण के

दौरान एडीजी ने केंद्र के भीतर और बाहर तैनात पुलिस बल की मुस्तैदी की सराहना करते हुए कहा कि भर्ती परीक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखना पुलिस और प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता की जांच की तथा कंट्रोल रूम में निगरानी व्यवस्था का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्र के आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए।

नकल कराने वाले गिरोहों, फर्जी अभ्यर्थियों अथवा परीक्षा में व्यवधान उत्पन्न करने वाले तत्वों के खिलाफ तत्काल और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही केंद्र के बाहर अनावश्यक भीड़ न जुटने देने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश भी दिए। एडीजी ने कहा कि परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों के साथ शालीन और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए, लेकिन सुरक्षा मानकों का पूरी सख्ती के साथ पालन हो। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने एडीजी को जनपद में लागू सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

सीसीटीवी निगरानी, चेकिंग अभियान और सतत गश्त के माध्यम से परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने की व्यवस्था की गई है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी थरियांव सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। एडीजी के औचक निरीक्षण से परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों में अतिरिक्त सतर्कता देखने को मिली। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भर्ती परीक्षा की पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखने के लिए हर स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

भूत-प्रेत का साया बताकर युवक को फंसाया

ललितपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। अंधविश्वास और झाड़-फूंक के नाम पर ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला थाना तालबेहट क्षेत्र में सामने आया है। दो शातिर ठगों ने एक युवक को उसकी बीमार दादी का इलाज करने और उन पर कथित भूत-प्रेत का साया होने की बात कहकर अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद इलाज के बहाने उसे तालबेहट ले गए और मौका पाकर उसकी मोटरसाइकिल, नकदी और जरूरी दस्तावेज लेकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम गेवरा गुन्देरा निवासी जयदेव प्रजापति ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 4 जून की सुबह करीब सात बजे लाल रंग की टीवीएस सुजुकी मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति उनके घर पहुंचे। दोनों ने बताया कि उन्हें गांव के ही हरिराम ने भेजा है और वे बीमार लोगों का उपचार करते हैं। उनकी बातों पर विश्वास करते हुए, जयदेव ने उन्हें घर में बैठाया और अपनी बीमार दादी को दिखाया। आरोपियों ने दादी को देखने के बाद कहा कि उनके उपचार में पांच हजार रुपये खर्च होंगे। इसके बाद उन्होंने परिवार को डराते हुए, कहा कि वृद्ध महिला पर भूत-प्रेत का साया है और उसे हटाने के लिए विशिष्ट दवा की जरूरत पड़ेगी, जो तालबेहट से मिलेगी। आरोपियों ने अपना नाम मध्य प्रदेश के जिला निवाड़ी के पृथ्वीपुर निवासी भज्जू उर्फ भन्तू आदिवासी तथा रमेश आदिवासी बताया।

15 से 20 जून तक मनाया जाएगा योग सप्ताह

महोबा, 09 जून (तरुणमित्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम 'योगा फॉर हेल्दी ऐजिंग' को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में योग दिवस को जन-जन तक पहुंचाने तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 15 जून से 20 जून 2026 तक योग सप्ताह का आयोजन जनपद के विभिन्न ऐतिहासिक एवं प्रमुख स्थलों पर किया जाए। योग सप्ताह का शुभारंभ 15 जून को कीरत सागर तट स्थित आल्हा मंच पर होगा। वहीं 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम महोबा में भव्य एवं बृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, स्वयंसेवी एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता से योग कार्यक्रमों को व्यापक रूप दिया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग योग से जुड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने योग सप्ताह एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि योग सप्ताह के दौरान विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास, जागरूकता कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कुंवर पंकज, मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, नोडल अधिकारी डॉ. ममता वर्मा, डॉ. विकास कुमार, डॉ. आदित्य मोहन अवस्थी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (आयुष) अमित देवरिया, मास्टर ट्रेनर बिकरण, योग प्रशिक्षक भरत कुमार, वरिष्ठ समाजसेवी शिव कुमार गोस्वामी तथा दाऊ तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का आधार है।

दिगंबर जैन समाज की मानव सेवा को मिला डीएम का प्रोत्साहन

बांदा, 09 जून (तरुणमित्र)। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी बांदा श्री अमित आसेरी की प्रेरणा से जजी चौराहे पर लगाए गए शीतल जल एवं छबील वितरण शिविर का आज 40वां दिन रहा। तारण तरण दिगंबर जैन धर्मशाला समिति एवं संपूर्ण दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित इस सेवा कार्य के अंतर्गत राहगीरों को शीतल जल, पेठा, चना, बिस्किट एवं छबील का वितरण कर गर्मी से राहत प्रदान की गई। आज आयोजित कार्यक्रम में स्वयं जिलाधिकारी श्री अमित आसेरी ने उपस्थित होकर राहगीरों को छबील वितरित की तथा इस पुण्य एवं मानव सेवा के कार्य में निरंतर सहयोग प्रदान करने वाले सभी समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

योगी सरकार का ऐतिहासिक तोहफा, बुंदेलखंड के अन्नदाताओं की चमकेगी किस्मत

बांदा, 09 जून (तरुणमित्र)। बुंदेलखंड की प्यासी धरती और यहां के मेहनतकश किसानों की तकदीर बदलने के लिए योगी सरकार लगातार काम कर रही हैं। हमेशा उपेक्षा का दंश झेलने वाले बुंदेलखंड और विशेषकर बांदा जिले के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार ने खरीफ सीजन में मुफ्त बीज मिनीकिट और भारी सब्सिडी का एक और बड़ा और ऐतिहासिक ऐलान किया है। सरकार के इस कदम से जिले के ग्रामीण अंचलों में खुशी का माहौल है और किसान इसे खेती की लागत आधी करने वाला श्संजीवनीश फैसला मान रहे हैं।

चूंकि खरीफ की बुआई का समय नजदीक है इसलिए विभाग ने बेहद चुस्त व्यवस्था की है। बांदा

बांदा में खरीफ फसलों के मुफ्त बीज और 50 प्रतिशत सब्सिडी की बौछार

जिले के सभी पात्र किसानों के लिए कृषि विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर आनलाइन बुकिंग की खिड़की खुली हुई है। योजना का लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा जो कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत हैं। जिन किसानों का पंजीकरण अभी तक नहीं हुआ है वे तुरंत अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र या राजकीय कृषि बीज भंडार पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। बुंदेलखंड में अक्सर संसाधनों के आवंटन को लेकर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन योगी सरकार ने इसे पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है। बांदा कृषि विभाग के अनुसार यदि जिले को मिले तय लक्ष्य से अधिक आवेदन आते हैं तो किसी भी सिफारिश या भेदभाव के बिना पूरी निष्पक्षता से ई-लॉटरी के जरिए भाग्यशाली किसानों का चयन किया जाएगा।

कंप्यूटर प्रणाली से होने वाले इस चयन की सूची सीधे किसानों के मोबाइल पर उपलब्ध होगी। कृषि निदेशक बांदा, डा. ए.के.एस. यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि बुंदेलखंड के परंपरागत और मोटे अनाजों (श्री अन्न) की खेती को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार विशेष ध्यान दे रही है। इस योजना के अंतर्गत बांदा के किसानों को दलहन, धान, मक्का और श्री अन्न (ज्वार, बाजरा, रागी) के उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिनीकिट बिल्कुल मुफ्त (100 प्रतिशत अनुदान) दिए जा रहे हैं।

बड़े मंगल पर आइसक्रीम भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

फतेहपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। ज्येष्ठ माह के पावन बड़े मंगलवार पर शहर के चौधरान मोहल्ला स्थित बाबूलाल स्वीट हाउस के सामने हनुमान भक्तों द्वारा आइसक्रीम वितरण का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं और राहगीरों की भारी भीड़ जुटी।

भंडारे का शुभारंभ मंगलवार को प्रातः ग्यारह बजे किया गया। हनुमान भक्तों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ आने-जाने वाले लोगों को आइसक्रीम वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया। तपती गर्मी में ठंडी आइसक्रीम पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने इसे हनुमान जी का प्रसाद मानकर ग्रहण किया और आयोजकों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व है। इस अवसर पर सेवा, दान और भंडारे के आयोजन की परंपरा रही है। इसी क्रम में क्षेत्रवासियों और हनुमान भक्तों के सहयोग से आइसक्रीम भंडारे का आयोजन किया गया, ताकि लोगों को गर्मी से राहत के साथ-साथ प्रसाद ग्रहण करने का अवसर मिल सके। पूरे दिन भक्ति और सेवा का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने बजरंगबली के जयकारों के साथ प्रसाद ग्रहण किया, आयोजन की सफलता के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

गौशाला में लापरवाही पर सचिव निलंबित, डीडीओ ने की कार्रवाई

खागा, फतेहपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। विजयीपुर विकास खंड के अंजना भैरों गांव स्थित अंजनी गौशाला में गंभीर लापरवाही मिलने के बाद जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। गौशाला परिसर के तालाब में मृत गोवंशों को फेंके जाने की जानकारी मिलने पर मामले की जांच कराई गई, जिसमें प्रथम दृष्टया व्यवस्थागत लापरवाही पाए जाने पर संबंधित सचिव प्रवीण कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) साधना दीक्षित ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए स्पष्ट किया कि गौशालाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गोवंशों की देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना सभी जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दायित्व है। यदि कहीं भी लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि अंजनी गौशाला के तालाब में मृत गोवंशों को फेंके जाने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय स्तर पर हड़कंप मच गया था। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों तक पहुंचने पर जांच कराई गई। जांच के दौरान व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां सामने आने पर सचिव प्रवीण कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया।

करोड़ों खर्च के बाद भी गलियां बद्हाल गंदगी व जलभराव से लोग परेशान

हमीरपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। हमीरपुर जिले नगर पालिका मौदहा द्वारा विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावों के बीच कस्बे के मोहल्ला फतेहपुर वार्ड-3 की स्थिति विकास की हकीकत बयां कर रही है। जर्जर सड़क, बजबजाती नाली और स्थायी जलभराव स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर समस्या बने हुए हैं। मुन्नी देवी , नवाब , शबीना, कल्लू, रईसा सहित तमाम स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों की अभाव में गंदा पानी सड़कों पर भर जाता है, जिससे दुर्गंध फैलने के साथ ही संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। जलभराव के कारण राहगीरों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। युवाओं को पानी के बीच से होकर रास्ता पार करना पड़ता है, जबकि बच्चे और बुजुर्ग अक्सर फिसलकर चोटिल हो जाते हैं।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा केन्द्रों का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

कन्नौज, 09 जून (तरुणमित्र)। आज जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने जनपद के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के दौरान उ0प्र0 पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2026 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग, परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं तथा अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया गया एवं परीक्षा को पूर्ण शुचिता, पारदर्शिता एवं सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराए जाने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिले के

परीक्षा केंद्र गोमती देवी इंटर कॉलेज, जेपी गर्ल्स इंटर ,कॉलेज केकेसीएन इंटर कॉलेज सरायमीरा,केके इंटर कॉलेज ग्वाल मैदान ,मुस्लिम मोहम्मदिया इंटर कॉलेज, पीएसएम पीजी कॉलेज ,एसबीएस इंटर कॉलेज, सुशीला देवी इंटर कॉलेज किसान इंटर कॉलेज तिर्वा, राजकीय इंटर कॉलेज उमर्दा ,तथा सरदार पटेल इंटर कॉलेज इंदरगढ़ का दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया तथा परीक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए संबंधित को दिशा निर्देश जारी किए ।

राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का न्यायमूर्ति ने किया निरीक्षण

चित्रकूट, 09 जून (तरुणमित्र)। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट के कुशल मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इला चौधरी, द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), चित्रकूट का औचक निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इला चौधरी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह चित्रकूट में आवासित बाल अपचारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की गयी। उनको निःशुल्क अधिवक्ता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया और किसी बाल अपचारी के पास अधिवक्ता उपलब्ध ना हो तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से अपने वाद की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। विधिक साक्षरता शिविर में बाल अपचारियों को एकत्रितकर यौन उत्पीड़न के बारे में विस्तार से बताया गया।

किसी भी व्यक्ति के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध किया गया अवांछित यौन व्यवहार ही यौन उत्पीडन है। यह व्यक्ति को अपमानित, भयभीत या असहज महसूस कराता है। यह कार्यस्थल, स्कूल या सार्वजनिक जगहों पर हो सकता है। किशोर अपचारियों को उनके द्वारा की गयी गलतियों को सुधारने एवं समाज में एक अच्छे व्यक्ति बनकर रहने एवं शिक्षा की ओर ध्यान केन्द्रित किये जाने हेतु प्रेरणा दी गयी। योगेन्द्र सिंह, सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि कार्यस्थल, सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी व्यक्ति द्वारा महिलाओं का यौन उत्पीडन नहीं किया जाना चाहिए।

यौन उत्पीडन एक सामाजिक बुराई के साथ - साथ व्यक्ति की गरिमा, मानसिक शान्ति और सुरक्षा के अधिकारों का गम्भीर उलंघन भी है। भारतीय न्याय संहिता के अन्तर्गत यौन उत्पीडन को दण्डनीय बनाया गया है। श्रीमती स्वाती तिवारी, सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा शिक्षा के अधिकार के बारे में बताया गया कि भारत में शिक्षा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। शिक्षा का मतलब केवल विद्यालय जाकर किताब पढना ही नही होता बल्कि शिक्षा के द्वारा हम अपने चतुमुर्खी व्यक्तित्व का विकास कर सकते है।

सकुशल व नकलविहीन सम्पन्न हुई पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर देखीं व्यवस्थाएं

ललितपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश नागरिक पुलिस आरक्षी एवं समकक्ष पदों पर भर्ती-2025 की 3 दिवसीय परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक ने पुनः सभी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को सकुशल, शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

आज परीक्षा की प्रथम पाली में कुल 3120 अभ्यर्थियों में से

2391 उपस्थित व 729 अनुपस्थित रहे, इसी प्रकार द्वितीय पाली में कुल 3120 अभ्यर्थियों में से 2380 उपस्थित व 740 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान सभी केन्द्रों पर पुलिस बल का कड़ा पहरा रहा और सघन तलाशी अभियान भी लगातार चलता रहा। इस दौरान किसी को भी मोबाइल व अन्य इलैक्ट्रॉनिक गैजेट अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने अपनी टीम के साथ सभी परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर हरेक गतिविधि पर अपनी नजर बनाये रखी। उन्होंने सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निरंतर भ्रमण कर परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहने के निर्देश दिये।

पुलिस अधीक्षक ने भी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों पर हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाये रखें। कोई भी परीक्षा को प्रभावित करने की कोशिष करता है तो सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक व पुलिस व्यवस्था में लगे अधिकारी व केन्द्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

अंधविश्वास बना हत्या की वजहः 13 दिन पुराने तांत्रिक हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

महोबा, 09 जून (तरुणमित्र)। जनपद महोबा की श्रीनगर थाना पुलिस ने 13 दिन पूर्व हुए एक सनसनीखेज अंधे हत्याकांड का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त धारदार गड़ासा (बांका) तथा मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार इस जघन्य हत्या के पीछे अंधविश्वास और आरोपी को अपनी मौत का भय प्रमुख कारण रहा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशन में गठित एसओजी, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी लखन साहू को बिलरही तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। इस चुनौतीपूर्ण ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एसपी

द्वारा 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। कुएं में मिला था तांत्रिक का शव गौरतलब है कि 26 मई को कस्बा श्रीनगर स्थित दुर्जन साहू के कुएं में 60 वर्षीय तांत्रिक रामप्रसाद प्रजापति का शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए जाने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या एवं साक्ष्य छिपाने का मुकदमा दर्ज किया था। मामला पूरी तरह ब्लाइंड मर्डर होने के कारण पुलिस अधीक्षक ने इसके खुलासे के लिए तीन विशेष टीमें गठित की थीं। अंधविश्वास में डूबा था आरोपी पुलिस पूछताछ में आरोपी ने जो खुलासा किया, उसने सभी को चौंका दिया। एसपी शशांक सिंह के अनुसार मृतक रामप्रसाद प्रजापति झाड़-फूंक और तांत्रिक क्रियाओं का कार्य करता था। आरोपी लखन साहू भी उसी गांव का निवासी है। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व आरोपी के परिवार में एक मौत हुई थी, जिसके बाद वह परिवार में होने वाली बीमारियों और अन्य परेशानियों के लिए तांत्रिक रामप्रसाद को जिम्मेदार मानने लगा।

धीरे-धीरे वह अंधविश्वास की गिरफ्त में इतना आ गया कि उसे यह भ्रम हो गया कि यदि उसने रामप्रसाद को नहीं मारा तो उसकी स्वयं की मृत्यु हो जाएगी। इसी वहम और भय के चलते उसने बाजार से एक गड़ासा खरीदा और सुनियोजित तरीके से रामप्रसाद की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को कुएं में फेंककर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। पुलिस की सूझबूझ से खुला राजघटना के खुलासे के लिए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस, मुखबिर तंत्र और गहन जांच का सहारा लिया। लगातार 13 दिनों तक चली पड़ताल के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया। इस मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने अंधविश्वास से दूर रहने और किसी भी समस्या का समाधान कानून एवं वैज्ञानिक सोच के माध्यम से करने की अपील की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अंधविश्वास कई बार लोगों को अपराध की राह पर धकेल देता है, जिसका परिणाम बेहद दुखद होता है।

खूनी विवाद में दो पक्षों में झगड़ा, कई घायल

हमीरपुर, 09 जून (तरुणमित्र)। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के गांव खंडेह निवासी दयाशंकर पुत्र वशींधर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि 05 जून को मोहल्ले के संजय, जगराम, रामलखन, रामाकांन्त, रामविशाल पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद व राजेन्द्र प्रसाद पुत्र बाबू दद्दा, बब्बू, सूधे पुत्रगण रामऔतार, अनीता पत्नी संजय, सुमित्रा पत्नी रामऔतार, सवित्री पत्नी राजेन्द्र कुमार, मंजू पत्नी रामविशाल उसके लड़के को अपने घर बुलाकर गाली गलौज व मारपीट कर रहे थे।लड़के के रोने की आवाज सुनकर ललकारा तो उक्त सभी लोग घर के बाहर निकल आये और पुत्र भी बाहर निकल आया।ये लोग गाली गलौज करने लगे ।

विरोध किया तो मारपीट करने लगे। ऐसे में वह दौड़कर अपने घर के अन्दर घुस गया, तभी दबंग लोग दौड़ कर दरवाजे के घर के अंदर संजय, राजेन्द्र व अनीता फरसा व रामऔतार व बब्बू कुल्हाड़ी व रामलखन लोहे की राड लेकर दौड़ दौड़ कर लाठी डंडों से मारपीट करने लगे। अनीता ने फरसा से प्रार्थी के पुत्र के सर में जान से मारने कि नियत से वार कर दिया ।जिससे आँख के ऊपर फरसा लगा गहरा घाव होने से पुत्र गिर कर बेहोश हो गया ।

प्रार्थी की पत्नी रीना व पुत्री गौरी व ममता पत्नी नरायन प्रार्थी को बचाने को दौड़े तब संजय ने फरसे से प्रार्थी को जान मारने की नियत से वार कर दिया ।

पुल कमजोर,घटिया निर्माण,सपा ने हादसे पर जताई चिंता,सरकार को घेरा

हमीरपुर । जनपद के मोराकांदर में बेतवा नदी पर बन रहे पुल की स्लेब गिरने से आधा दर्जन मजदूरों की मौत हो गई थी ।जिसको लेकर सपा सुप्रीमो अखलेश यादव के निर्देश पर जिलाध्यक्ष इदरीश खान और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने गांव पहुंच कर मामले को जाना तथा मजदूरों और मृतकों के परिजनों से भेंट की। इस दौरान पीडीए के नेताओं ने मौजूदा सरकार में हो रहे घटिया निर्माण और भ्रस्टाचार के मामले में सरकार को घेरने के साथ ही मृतकों के परिजनों को उचित सरकारी मुआवजा और मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने के साथ ही आधा दर्जन मौतों के दोषियों पर कडी कार्यवाही करने की मांग की। इस दौरान पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति ने बताया कि मौजूदा सरकार हर मोर्चे पर विफल है।

उल्दन बांध से बढ़ी ग्रामीणों की चिंता, मानसून में दो किलोमीटर मार्ग डूबने की आशंका

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा तहसील अंतर्गत धसान नदी पर बन रही महत्वाकांक्षी 'बंडा सिंचाई परियोजना' (उल्दन बांध) का काम अंतिम चरण में है। करीब 2610 करोड़ रुपये की इस वृहद परियोजना से क्षेत्र के 80,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति (स्प्रिंकलर) से पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। लेकिन इस विकास परियोजना की चमक के पीछे हजारों ग्रामीणों का दर्द और इस मानसून से पैदा होने वाला एक बड़ा यातायात संकट छिपा है। बांध के निर्माण और आगामी जलभराव की खबरों के साथ ही ग्रामीणों की 'उलझनें', नाराजगी और आवागमन की चिंताएं चरम पर पहुंच गई हैं।

प्रशासनिक तैयारियों के मुताबिक, उल्दन बांध में इसी मानसून (बरसात) से जलभराव की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। शुरूआती योजना के तहत इस बरसात में बांध की कुल क्षमता का 30 फीसदी पानी भरा जाएगा। पानी भरने की इस दस्तक के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में विस्थापन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस परियोजना के कारण 'सलैया गांव' पूरी तरह से जलमग्न हो जाएगा, जिसे शत-प्रतिशत विस्थापित किया जाना है। इसके अलावा इसके आसपास के 12 से अधिक गांव भी इस डूब क्षेत्र से प्रभावित हो रहे हैं।

बांध में पानी भरने का सीधा असर क्षेत्र के मुख्य परिवहन और आवागमन पर पड़ने वाला है। सागर से गढ़पहरा-बहरोल होते हुए प्रसिद्ध पर्यटन व ऐतिहासिक स्थल धामोनी जाने वाले मार्ग का एक बड़ा हिस्सा डूब क्षेत्र में आ रहा है। बहरोल और कुल्ल गांव के बीच का लगभग 2 किलोमीटर लंबा सड़क मार्ग पूरी तरह पानी में समा जाएगा।

इसका असर यह होगा कि यदि इस बरसात में 30% जलभराव के दौरान ही पानी सड़क तक पहुंच गया, तो इसी सीजन से यह मार्ग हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। वर्तमान में सागर से सीधे गढ़पहरा होकर धामोनी की दूरी महज 41 किलोमीटर है। रास्ता बंद होने के बाद लोगों को सागर से बांदरी होते हुए बहरोल और फिर धामोनी जाना पड़ेगा। सागर से बांदरी की दूरी 28 किलोमीटर और बांदरी से बहरोल-धामोनी की दूरी 26 किलोमीटर है, जिससे अब कुल दूरी बढ़कर 54 किलोमीटर हो जाएगी। यानी राहगीरों को 13 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ेगा।

राहत की बात यह है कि बांध बनने के बावजूद बंडा से बहरोल होते हुए बांदरी आने-जाने वाला मार्ग पहले की तरह चालू रहेगा। इसके लिए बांध के गेटों के ठीक नीचे एक नए पुल का निर्माण किया जा रहा है। इस पुल के बन जाने से बांदरी से बहरोल होते हुए बंडा की दूरी में कोई खास बदलाव नहीं आएगा। गौरतलब है कि बंडा-छतरपुर मार्ग से बांदरी, मालथौन, ललितपुर और झांसी की ओर जाने वाले भारी और निजी वाहनों द्वारा इसी मार्ग का उपयोग सबसे ज्यादा किया जाता है, जिसे तकनीकी रूप से बहाल रखा जा रहा है। चूंकि बहरोल से सागर की ओर जाने वाले मार्ग का एक हिस्सा डूब में आ रहा है, इसलिए आसपास के कई गांवों के ग्रामीणों का सीधा और पारंपरिक आवागमन प्रभावित होगा। इस समस्या से निपटने और ग्रामीणों की उलझन दूर करने के लिए प्रशासन द्वारा कई गांवों को जोड़ने वाली नई संपर्क सड़कें बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। इन नई सड़कों को भविष्य की जरूरतों और जलस्तर के हिसाब से ऊंचाई देकर तैयार किया जा रहा है।एक तरफ जहां रास्तों को बदलने और नई सड़कें बनाने का काम जारी है, वहीं दूसरी तरफ विस्थापित हो रहे ग्रामीणों का गुस्सा फूट रहा है। प्रभावित गांवों (जैसे किरौला, बहरोल, कुल्ल, पिपरिया, सेमरा, हनौता और उल्दन) के ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन ने भू-अर्जन और मुआवजे के वितरण में भारी लापरवाही बरती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सर्वे टीम ने जल्दबाजी में उनके कई पक्के व पुश्तैनी मकानों को 'अस्थाई' (कच्चा/टीनशेड) घोषित कर दिया, जिससे मुआवजे की राशि बेहद कम हो गई। किसानों का कहना है कि एक ही गांव में अलग-अलग जमीनों और मकानों के लिए भेदभावपूर्ण दरों पर मुआवजा बांटा जा रहा है।

नातरा झगड़ा के नाम पर 14 लाख की अवैध वसूली मांगने वाले चार आरोपित गिरफ्तार

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के कोतवाली थाना पुलिस ने नातरा झगड़ा जैसी कुप्रथा के नाम पर अवैध वसूली और धमकाने के मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।थाना प्रभारी मंजू मखेनिया ने मंगलवार को बताया कि 25 अप्रैल को ग्राम दलेलपुरा निवासी 21 वर्षीय कौशल्याबाई तंवर ने शिकायत की थी, जिसमें बताया गया था कि उसके पूर्व पति रामभरोसे तंवर और उसके परिवारजन उसके ससुर से नातरा झगड़ा के नाम पर 14 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं और राशि नहीं देने पर आरोपितों ने गांव के ही रायसिंह तंवर के पिंडावड़ा और भूसे में आग लगाकर नुकसान पहुंचाया तथा भविष्य में और नुकसान करने एवं जान से मारने की धमकी दी।

उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद पुलिस ने जिले में नातरा झगड़ा से जुड़े अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपित घीसालाल तंवर, उसके बेटे रामभरोसे, बबलू और जगदीष तंवर निवासी बानपुरा को हिरासत में लिया। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपितों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जिला जेल भेज दिया गया।

महिला विवाद की पंचायत बनी खूनी संघर्ष की वजह, दो मासूम बहनों की पानी के होद में डुबोकर हत्या

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के राजोद थाना क्षेत्र के ग्राम जामपाड़ा में सोमवार रात महिला विवाद को लेकर बुलाई गई आदिवासी समाज की पंचायत अचानक हिंसक झड़प में बदल गई। देखते ही देखते माहौल इतना बिगड़ गया कि चार और पांच साल की दो मासूम बहनों की कथित तौर पर पानी के होद में डुबोकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 21 लोगों को हिरासत में लिया है और गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत हनुमंतिया के सरपंच द्वारा एक विवाहित महिला को अपने साथ रखने के आरोप को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी मामले के समाधान के लिए महिला के ससुराल पक्ष और रिश्तेदार ग्राम पटलावदिया से जामपाड़ा पहुंचे थे। यहां पास के क्रिकेट मैदान में आदिवासी परंपरा के तहत समझौता बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें हनुमंतिया के सरपंच और गांव के लोग भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पंचायत के दौरान दोनों पक्षों में सहमति नहीं बन सकी और विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद महिला पक्ष से जुड़े कुछ लोग गांव में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान धारदार हथियारों के इस्तेमाल और हवाई फायरिंग की भी सूचना सामने आई, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई।

इसी बीच जामपाड़ा निवासी दिनेश कटारा की चार वर्षीय बेटी ऋषिका और पांच वर्षीय शिवानी घर के बाहर मौजूद थीं। आरोप है कि हमलावर दोनों बच्चियों को उठाकर पास के पानी के होद तक ले गए और उन्हें डुबो दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद उपद्रवियों ने आसपास खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की और एक तूफान वाहन से मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही राजोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों मासूमों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपितों की तलाश शुरू की और अब तक 21 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरदारपुर एसडीओपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की हर पहलू से जांच की जा रही है। फिलहाल बच्चियों की मौत को हत्या मानते हुए प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

150 फीट पहाड़ काटकर सड़क बना रहे ग्रामीण

'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी की याद दिला रहा जज्बा

बड़वानी। बिहार के 'माउंटेन मैन' की कहानी अब मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में साकार होती नजर आ रही है। वर्षों तक सड़क की मांग पूरी नहीं होने और नेताओं-अधिकारियों के आश्वासनों से निराश ग्रामीणों ने अब खुद ही अपने गांव तक रास्ता बनाने की जिम्मेदारी उठा ली है। खेड़ी पलास फलियां गांव के लोग इन दिनों करीब 150 फीट ऊंचे पहाड़ को काटकर सड़क तैयार करने में जुटे हैं। करीब 250 से 300 आबादी वाले इस आदिवासी गांव में भीषण गर्मी के बावजूद बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और पुरुष बारी-बारी से कुदाल और फावड़ा लेकर काम कर रहे हैं। गांव में हर दिन 35 से 40 लोग बिना किसी बुलावे के सड़क निर्माण में हाथ बंटा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब इंतजार नहीं, बल्कि अपने दम पर बदलाव लाने का वक्त है।दरअसल, गांव मुख्य सड़क से लगभग 3 किलोमीटर अंदर स्थित है। इसमें करीब 1 किलोमीटर कच्ची पगडंडी और 2 किलोमीटर का बेहद कठिन पहाड़ी रास्ता शामिल है। यही कारण है कि बारिश के मौसम में गांव का संपर्क लगभग टूट जाता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और मरीजों को अस्पताल पहुंचाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता।

बड़वानी से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव तक पहुंचने के लिए मुख्य सड़क से करीब 3 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। ग्रामीणों ने एक सप्ताह पहले पहाड़ काटने का काम शुरू किया और अब तक करीब आधे रास्ते की खुदाई पूरी कर ली है। यहां लगभग पांच फीट चौड़ी सड़क बनाई जा रही है।गांव की रेवती बाई बताती हैं कि सड़क नहीं होने का सबसे बड़ा असर महिलाओं और बीमार लोगों पर पड़ता है। गर्भवती महिलाओं या गंभीर मरीजों को कपड़े की झोली बनाकर कई लोग मिलकर पहाड़ी रास्तों से नीचे तक ले जाते हैं। एक मरीज को सुरक्षित

बाहर निकालने में करीब आठ लोगों की जरूरत पड़ती है और इसमें ढाई से तीन घंटे तक लग जाते हैं। खाद, बीज और राशन भी लोगों को सिर पर ढोकर लाना पड़ता है।ग्रामीण साब्जिया आदिवासी के मुताबिक, सालों तक जनसुनवाई और सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने के बाद भी जब सड़क नहीं बनी तो गांव में बैठक कर खुद रास्ता बनाने का फैसला लिया गया। सक्षम परिवारों ने 10-10 हजार रुपये का योगदान दिया, जबकि अन्य लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार मदद की। इस तरह करीब एक लाख रुपये इकट्ठा किए गए। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण का आधा काम श्रमदान से पूरा कर लिया गया है, जबकि बाकी हिस्से में जेसीबी मशीन लगाकर काम पूरा किया जाएगा। हालांकि गांव तक मशीन पहुंचाना भी चुनौती बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि उनका उद्देश्य सिर्फ रास्ता बनाना नहीं, बल्कि व्यवस्था को यह दिखाना भी है कि अगर सरकार ध्यान नहीं दे तो लोग अपने स्तर पर भी बदलाव ला सकते हैं। वे बारिश शुरू होने से पहले किसी तरह आवाजाही लायक कच्ची सड़क बनाना चाहते हैं, ताकि वाहन गांव तक पहुंच सकें। लोगों ने प्रशासन से इस सड़क को पक्का करने की मांग भी की है।

ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक अंकित अवस्थी का कहना है कि क्षेत्र को मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना में शामिल किया गया है। सर्वे प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 100 से अधिक आबादी वाले क्षेत्रों को सड़क नेटवर्क से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है।

वहीं, बड़वानी एसडीएम भूपेंद्र रावत ने बताया कि संबंधित बस्ती वन क्षेत्र में आती है। मामले की जांच की जा रही है और जिन बसाहटों में सड़क सुविधा नहीं है, उन्हें सड़क परियोजनाओं में शामिल करने की प्रक्रिया जारी है।

तेज रफ्तार ओमनी कार ने तीन दोस्तों को मारी टक्कर, एक युवक की मौत, एक अन्य गंभीर

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को तेज रफ्तार ओमनी कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार बीती रात भगवती कॉलोनी निवासी आदित्य (19) पुत्र संदीप माथुर, शुभम(19) पुत्र बालूसिंह चैहान और सुरेश (18)पुत्र घनश्याम गौड़ पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित प्रतीक्षालय के पास पीछे से तेज गति से आ रही ओमनी कार ने तीनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आदित्य और शुभम सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उनके साथी सुरेश ने दोनों को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन आदित्य की हालत बिगड़ने पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल शुभम को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।युवा बेटे की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ धारा 281, 125(ए) और 106 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार वाहन व चालक की तलाश में जुटी हुई है।

वृद्धाश्रम में बेटी का जन्मदिन मनाकर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने दिया बुजुर्ग सम्मान का संदेश

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह में मंगलवार सुबह वृद्धाश्रम में आत्मीयता, सम्मान और खुशियों का अनूठा वातावरण देखने को मिला, जब दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव अपनी पुत्री आस्था यादव के साथ यहां पहुंचे और उनका जन्मदिन वृद्धजनों के बीच मनाया।

इस अवसर पर उन्होंने वृद्धजनों के साथ समय बिताया, उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनकी समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान की पहल भी की। वृद्धाश्रम पहुंचने पर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव एवं उनकी पुत्री आस्था यादव का वृद्धजनों ने आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान दोनों ने सभी बुजुर्गों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से वृद्धजनों को खीर एवं फल वितरित किए। विशेष बात यह रही कि कलेक्टर और उनकी पुत्री ने किसी

औपचारिकता के बजाय परिवार के सदस्य की तरह सभी वृद्धजनों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया तथा उनसे खुलकर बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान कई भावुक क्षण भी देखने को मिले। वृद्धाश्रम में रह रहीं अनेक बुजुर्ग महिलाओं ने कलेक्टर प्रताप नारायण यादव और आस्था यादव के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया। कई महिलाएं उन्हें अपने बेटे और बेटी के समान स्नेह देती दिखाई दीं। इस दौरान कई बुजुर्गों की आंखें नम हो गईं, वहीं आस्था यादव भी उनसे मिलकर भावुक नजर आईं। जन्मदिन समारोह के अवसर पर भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। वृद्धजनों ने भक्ति गीतों के साथ जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कई वृद्ध महिलाओं ने खुशी में नृत्य किया और पूरे परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया।

आश्रम प्रबंधन से जुड़े लोगों के अनुसार लंबे समय बाद ऐसा अवसर आया जब सभी वृद्धजन एक साथ इतने प्रसन्न और उत्साहित दिखाई दिए।इस अवसर पर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि पूर्व में वृद्धाश्रम भ्रमण के दौरान उन्होंने कई बुजुर्गों, विशेषकर माताओं की भावनाओं को निकट से महसूस किया था। अनेक वृद्धजन अपने बच्चों और परिवार को याद कर भावुक हो जाते हैं। इसी अनुभव ने उन्हें अपनी पुत्री का जन्मदिन वृद्धाश्रम में मनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज में बुजुर्गों का सम्मान केवल एक संस्कार नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। जिन माता-पिता ने हमें जीवन दिया, संस्कार दिए और संघर्षों के बीच हमारा भविष्य संवारा, उनके प्रति सम्मान और सेवा का भाव बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने उपस्थित वृद्धजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे स्वयं को कभी अकेला न समझें और जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

कार-बाइक की आमने-सामने टक्कर, युवक की मौत

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर मंगलवार को तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौक हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शहडोल-अनूपपुर हाईवे पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हुई। तेज गति से आ रही एक कार और बाइक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। मृतक की पहचान महेंद्र कोल के रूप में हुई है, जो बुढार क्षेत्र के भुतही मोहल्ला का निवासी था। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और परिचित भी घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अमलाई थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इसी हाईवे पर हाल ही में दो दिन पहले एक ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार परिवार हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की अपील की है।

सिलपरा डैम में डूबे सेना के जवान का शव 6 दिन बाद मिला

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सिलपरा डैम में छह दिन पहले डूबे सेना के जवान गौरव द्विवेदी का शव मंगलवार सुबह बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम ने विशेष सर्च ऑपरेशन चलाकर करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। जवान बीते बुधवार को डैम में नहाते समय गहरे पानी में चले गए थे और तभी से लापता थे। जानकारी के अनुसार, बघवार गांव निवासी गौरव द्विवेदी (28) छुट्टी पर घर आए हुए थे। बीती बुधवार (3 जून) सुबह वह अपने भाई-बहनों के साथ सिलपरा डैम घूमने गए थे। नहाने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह गहरे पानी में डूब गए। घटना के बाद से ही पुलिस, प्रशासन और रेस्क्यू टीम लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई थीं, लेकिन शुरूआती प्रयासों में सफलता नहीं मिल सकी लगातार छह दिन तक चले सर्च ऑपरेशन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिलने पर प्रशासन ने मंगलवार को बड़ा कदम उठाया। डैम से जुड़ी नहर का पानी पूरी तरह रोक दिया गया, जिससे जलस्तर में करीब 40 फीट की कमी आई। इसके बाद सुबह 6 बजे से एनडीआरएफ आगरा की स्पेशल टीम और एसडीईआरएफ के जवानों ने सघन खोज अभियान शुरू किया। जलस्तर कम होने के बाद रेस्क्यू टीमों को खोज अभियान में सफलता मिली। करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सुबह 9 बजे गौरव द्विवेदी का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलने की खबर से परिजनों और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वहीं, प्रशासन ने कठिन परिस्थितियों में लगातार अभियान चलाने वाली रेस्क्यू टीमों के प्रयासों की सराहना की है।

शादी के 6 माह बाद नवविवाहिता ने लगाई फांसी, कमरे में दुपट्टे से लटकी मिली

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के मलावर थाना क्षेत्र के ग्राम आंख्याखोह में मंगलवार अलसुबह एक 20 वर्षीय नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, आंख्याखोह निवासी करीना (20) पत्नी महेंद्र भील का शव घर के कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल ब्यावरा भेजा। परिजनों ने बताया कि करीना की शादी करीब छह माह पहले तलेन थाना क्षेत्र के रामड़ी गांव से महेंद्र भील के साथ हुई थी। सोमवार रात वह परिवार के लोगों के साथ सामान्य रूप से हंसी-मजाक और बातचीत करने के बाद सोने गई थी। वहीं उसका पति तथा सास-ससुर घर के आंगन में सो रहे थे। मंगलवार सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो करीना कमरे में फंदे पर लटकी मिली।

समान नागरिक संहिता से सामाजिक समरसता और समानता को मिलेगा बलः प्रो. गोपाल शर्मा

यूसीसी पर जनप्रतिनिधियों, राजनैतिक दलों के सदस्यों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने दिये सुझाव

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति के सदस्य प्रो. गोपाल शर्मा ने कहा कि समान नागरिक संहिता से सामाजिक समरसता और समानता को बल मिलेगा।

प्रो. गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में सीहोर के जिला पंचायत सभाकक्ष में हुई इस बैठक में यूसीसी से जुड़े सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों, शांति समिति के सदस्यों, पत्रकारों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने यूसीसी पर अपने सुझाव दिए।

बैठक में समिति के सदस्य प्रो. गोपाल शर्मा ने कहा कि समान नागरिक संहिता से समाज में सद्भाव एवं सौहार्द की स्थापना होगी तथा पारिवारिक और सामाजिक संबंधों में अनावश्यक तनाव

की स्थिति नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर एवं महत्वपूर्ण विषय है, जिस पर प्रदेश सरकार नागरिकों की राय लेकर व्यापक अध्ययन कर रही है। यूसीसी लागू होने से महिलाओं, बच्चों एवं सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित होगा तथा विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार एवं अन्य पारिवारिक विषयों में समानता स्थापित होगी। प्रो. शर्मा ने कहा कि पुरुष और महिलाओं के अधिकारों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रहेगा तथा दत्तक पुत्र को भी जेनेटिक पुत्र के समान अधिकार प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विभिन्न धर्म एवं समुदायों के लिए अलग-अलग पारिवारिक कानून प्रचलित हैं। विवाह, विवाह विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार तथा लिव-इन संबंध जैसे विषय समान नागरिक संहिता की परिधि में आते हैं। प्रो. शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार यूसीसी के संबंध में नागरिकों के विचार एवं सुझाव प्राप्त करने के लिए पोर्टल संचालित कर रही है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पोर्टल पर अपने सुझाव दर्ज कर इस महत्वपूर्ण विषय पर चल रहे जन-विमर्श में सहभागी बनें। बैठक में उपस्थित नागरिकों ने विभिन्न राज्यों में लागू व्यवस्थाओं, सामाजिक समरसता, महिला अधिकारों तथा संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव समिति के समक्ष रखे। बैठक में सीहोर जनपद अध्यक्ष नावड़ी बाई, संयुक्त कलेक्टर रविन्द्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, एसडीओपी पूजा शर्मा सहित विभिन्न राजनैतिक दलों, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं तथा आम नागरिकों द्वारा यूसीसी पर सुझाव दिये गये।

गुना में महिला कॉन्स्टेबल ने सरकारी क्वॉर्टर में लगाई फांसी, जांच जारी

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में कोतवाली थाने में पदस्थ महिला कॉन्स्टेबल निशा शर्मा ने मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित अपने सरकारी आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकालते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, अशोक नगर निवासी निशा शर्मा गुना पुलिस लाइन के सरकारी क्वॉर्टर में रहती थीं। मंगलवार सुबह वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकलीं। घर में काम करने वाली महिला जब सुबह उनके आवास पर पहुंची तो उसने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। दोपहर करीब 12 बजे तक भी क्वॉर्टर का दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों को चिंता हुई और उन्होंने इसकी सूचना कैंट थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे के भीतर निशा शर्मा का शव चादर से बने फंदे के सहारे पंखे से लटका मिला। पुलिस ने तत्काल शव को नीचे उतारकर जिला अस्पताल भेजा।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि निशा शर्मा दो दिन की छुट्टी पर अपने गृह जिला अशोक नगर गई थीं। वह सोमवार शाम को ही अवकाश समाप्त कर गुना वापस लौटी थीं। इसके अगले ही दिन यह दुखद घटना सामने आई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज गेंदबाज सिराज आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला से बाहर, प्रसिद्ध कृष्णा को मौका

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह गुजरात टाइटंस के साथी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद सिराज को आराम देने का फैसला लिया गया है। यह निर्णय एहतियाती कदम के तौर पर लिया गया है, ताकि लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले उन्हें पर्याप्त समय तक रिकवरी मिल सके। सिराज हाल ही में न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टेस्ट जीत का हिस्सा रहे थे।

हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए पहले ही टीम में जगह नहीं दी गई थी। दूसरी ओर, प्रसिद्ध कृष्णा को लगातार मौके दिए जा रहे हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। प्रसिद्ध अब तक भारत के लिए पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने आठ विकेट लिए हैं। हालांकि उनका इकॉनमी रेट 11 रहा है। उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में भारत के लिए टी-20 मुकाबला खेला था। आईपीएल 2026 में भी दोनों खिलाड़ियों ने गुजरात टाइटंस के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिराज ने पूरे सत्र में 17 मैच खेले, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 12 मुकाबलों में हिस्सा लिया और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में योगदान दिया। भारत का व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जारी है।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के बाद टीम को इंग्लैंड में एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद जिम्बाब्वे, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित हैं। भारत आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को बेलफास्ट में दो टी20 मैच खेलेगा। इसके बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला होगी।

आयरलैंड और इंग्लैंड टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

समन्वय सब-जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता के ट्रायल में 13 खिलाड़ी चयनित

सहारनपुर में 10 से शुरू होगी प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता

मुरादाबाद। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 13 जून तक सहारनपुर में किया जाएगा, जबकि बालिका वर्ग की प्रतियोगिता 15 से 18 जून तक संपन्न होगी। मुरादाबाद जिला बॉक्सिंग संघ के सदस्य योगेंद्र कुमार की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं के लिए मंगलवार को सोनकपुर स्टेडियम में मंडल स्तरीय चयन ट्रायल आयोजित किए गए।

जिसमें खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। योगेंद्र कुमार ने बताया कि ट्रायल के दौरान बालक एवं बालिका वर्ग में कुल 13 खिलाड़ियों का चयन किया गया। बालक वर्ग में आदित्यराज, लोकेंद्र सिंह, तनुज कुमार, निशांत सैनी, हिमांशु, भानू प्रताप सिंह, शिव मलिक, राजशेखर और आदित्य चौधरी का चयन किया गया।

वहीं बालिका वर्ग में युविका सिंह, काव्या यादव और आराध्या सक्सेना ने अपनी जगह पक्की की। चयन प्रक्रिया में उनके अलावा अमरोहा जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव निर्भय बिश्नोई एवं मनीष अमरोहा की देखरेख में संपन्न हुई। चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों की तकनीक, फिटनेस और रिंग में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम सूची तैयार की।

30 वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में मुरादाबाद के निशानेबाजों ने दिखाया दम

मुरादाबाद। शार्प शूटिंग एकेडमी मुरादाबाद की कोच अनामिका चौधरी ने मंगलवार को बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन की ओर से नोएडा में चार से आठ जून तक आयोजित 30 वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जिले के निशानेबाजों ने न केवल मेडल जीता, बल्कि आगामी राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए भी मजबूत दावेदारी पेश की। प्रतियोगिता में होनहार निशानेबाज वरुण चौधरी, दिव्यांश सिंह और रॉबिन मसीह ने टीम स्पर्धा में बेहतरीन तालमेल और सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि जिले के सभी 21 खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आगामी उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों में कई युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। जिन्होंने अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। कोच अनामिका चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत व बेहतर प्रशिक्षण का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि आगामी मुख्य राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में यह निशानेबाज स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करेंगे।

बोरी की चटाइयों से विश्व मंच तक पहुंचे जाम्बिया के शिक्षक चितुला अल्बर्ट, योगासन को दिलाई नई पहचान

अहमदाबाद। जाम्बिया के शिक्षक चितुला अल्बर्ट ने शायद ही सोचा होगा कि उनका छोटा-सा प्रयास एक दिन विश्व मंच तक पहुंचेगा, लेकिन आज उनकी पहल न केवल जाम्बिया में योगासन को नई पहचान दिला रही है, बल्कि अफ्रीका में इस पारंपरिक भारतीय विधा के विस्तार की मिसाल भी बन चुकी है।

पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप के दौरान अहमदाबाद का ईकेए एरिना इसी बदलाव की कहानी का गवाह बना, जहां जाम्बिया सहित कई अफ्रीकी देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर यह दिखाया कि योग अब सीमाओं से परे एक वैश्विक खेल पहचान बना रहा है।

एक भारतीय प्रेरणा से शुरू हुई यात्रा

चितुला अल्बर्ट का योग से परिचय 1980 के दशक के अंत में हुआ था। उस समय उनके क्षेत्र में रहने वाले भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने उन्हें योग की शुरूआती क्रियाएँ सिखाईं। यही अनुभव आगे चलकर उनके जीवन की दिशा बन गया। शिक्षक और बाद में उप-प्रधानाचार्य बनने के बाद अल्बर्ट ने महसूस किया कि योग बच्चों के स्वास्थ्य, अनुशासन और मानसिक संतुलन को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

उन्होंने अपने स्कूल में छोटे स्तर पर योग सत्र शुरू किए और इसे शारीरिक शिक्षा गतिविधियों का हिस्सा बनाया। हालांकि, शुरूआत

आसान नहीं थी। योग को स्थानीय स्तर पर संदेह की नजर से देखा जाता था और कई लोग इसे फिटनेस के बजाय धार्मिक अभ्यास मानते थे। संसाधनों की भी भारी कमी थी।

अभ्यास के लिए योगा मैट तक उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए अल्बर्ट ने पुराने बोरे और कपड़ों को सिलकर अस्थायी चटाइयां तैयार कीं। पूरे क्षेत्र तक पहुंची पहल योग अभियान की शुरूआत केवल पांच छात्रों से हुई। धीरे-धीरे बच्चों की रुचि बढ़ी और यह पहल स्कूल की सीमाओं से बाहर निकलने लगी।

अल्बर्ट ने डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए नियमित रूप से योग सत्रों का प्रसारण शुरू किया, जिससे जाम्बिया के अलग-अलग हिस्सों के छात्र भी इससे जुड़ने लगे। वर्ष 2020 इस यात्रा का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जब भारतीय मूल की एक महिला ने स्कूल के बच्चों के लिए योगा मैट उपलब्ध कराईं। यह सहयोग उस आंदोलन के लिए निर्णायक साबित हुआ, जो अब तक सीमित संसाधनों के सहारे आगे बढ़ रहा था।

अर्थव्यवस्था

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को एक दिन में 5.35 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीद तथा कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी।

दिन के पहले सत्र के कारोबार में आईटी सेक्टर में हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। दोपहर 11:30 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे ये दोनों सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंच गए।

पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज जम कर खरीदारी होती रही। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी हरे निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार बिकवाली के वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 0.48 प्रतिशत और बीएसई का टेक इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.75 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.40 लाख करोड़ रुपये था।

इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.35 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,398 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,782 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,423 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 193 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,975 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,151 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 824 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 511.15 अंक की मजबूती के साथ 74,035.41 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11:30 बजे तक यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 600 अंक से अधिक टूट कर 98.08 अंक की कमजोरी के साथ 73,426.18 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। दूसरे सत्र में लगातार हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से लगभग 500 अंक की रिकवरी कर 394.50 अंक की तेजी के साथ 73,918.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर आधारित लोन दर 0.10 फीसदी तक बढ़ाई

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। दो साल की अवधि वाले कर्ज पर अब यह दर 8.45 फीसदी से बढ़कर 8.55 फीसदी हो गई है। नई दरें 8 जून से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि बैंक के इस कदम का सीधा असर उन उधारकताओं की ईएमआई पर पड़ेगा, जिनके लोन एमसीएलआर सिस्टम से जुड़े हैं। इसी तरह वाहन, आवास एवं व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों के लिए मानक माना जाने वाला एक वर्षीय एमसीएलआर 0.05 फीसदी बढ़कर अब 8.40 फीसदी हो गया है। इसके अलावा 24 घंटे, तीन महीने, छह महीने और तीन साल की अवधि वाले कर्ज की दरों में भी 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है।

भारत के रिटेल निवेशक विस्तार को खामोशी से रफ्तार दे रहा है राजस्थान : एनएसई

मुंबई। राजस्थान भले ही बड़े राज्यों की तरह सुर्खियों में न रहता हो, लेकिन यह भारत में नए निवेशकों की संख्या बढ़ाने में लगभग आधी हिस्सेदारी रख रख रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने मंगलवार को आंकड़ों के जरिये बताया कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित शीर्ष राज्यों ने नए निवेशक पंजीकरणों (रजिस्ट्रेशन) में लगभग 49 फीसदी का योगदान दिया है। यह भारत के पूंजी बाजार (कैपिटल मार्केट) के विस्तार की कहानी में राजस्थान के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। राजस्थान में वित्तीय बाजार के निवेशकों की संख्या में यह उछाल जयपुर, जोधपुर और कोटा जैसे अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) जिलों में बढ़ते वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इनक्लूजन) पर टिका हुआ है। पहली बार निवेश करने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), ईटीएफ और डायरेक्ट स्टॉक्स के जरिए इक्विटी मार्केट में कदम रख रही है। राज्य का यह उभार एक व्यापक भौगोलिक विविधीकरण (ज्योग्राफिक डाइवर्सिफिकेशन) को दशार्ता है, जिसमें छोटे राज्य लगातार निवेशक आधार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं।

एनएसई के आंकड़े बताते हैं कि पारंपरिक रूप से शीर्ष पर रहने वाले बाजारों से इतर क्षेत्र अब लगभग 27 फीसदी निवेशकों की हिस्सेदारी रखते हैं, जो भागीदारी के बढ़ते दायरे को दर्शाता है।

यह बात एक गहरे रुझान का संकेत देता है कि भारत की इक्विटी संस्कृति (इक्विटी कल्चर) अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह अखिल भारतीय (पैन-इंडिया), महत्वाकांक्षी और डिजिटल रूप से सक्षम हो चुकी है।

असम की मशहूर जीआई टैग तेजपुर लीची की पहली खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई

नई दिल्ली। असम की भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त प्रसिद्ध तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई है। इस पहल से किसानों को बेहतर बाजार और अच्छे दाम मिलने की उम्मीद है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलने का रास्ता भी मजबूत हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने 7 जून को जीआई-टैग वाली तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप असम से दुबई के लिए रवाना की है। ये उत्तर पूर्वी क्षेत्र के कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच के विस्तार में एक बड़ी उपलब्धि है।

मंत्रालय ने बताया कि एक मीट्रिक टन की इस खेप में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग वाली तेजपुर लीची शामिल थी, जो असम के सबसे प्रसिद्ध बागवानी उत्पादों में से एक है। यह लीची अपनी असाधारण मिठास, चमकीले लाल रंग, विशिष्ट सुगंध और उत्कृष्ट स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र में बॉम्बेया, बिलाती, इलायची, पियाजी और साही सहित कई उल्लेखनीय किस्में उगाई जाती हैं, जो अपने विशिष्ट स्वाद और गुणवत्ता के लिए सराही जाती हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा कि असम की प्रसिद्ध जीआई-टैग प्राप्त तेजपुर लीची अब विदेशी बाजारों में अपनी मिठास बिखेर रही है। उन्होंने कहा कि एपीडा के सहयोग से तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप दुबई रवाना हुई। इस कदम से यहां की लीची को वैश्विक पहचान मिलेगी, किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा और पूर्वोत्तर भारत के कृषि उत्पादों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी किया

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण अपने पिछले अनुमान से 0.3 फीसदी की कटौती की है।

रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को जून की जारी अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर धीमी रह सकती है, लेकिन घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा। फिच रेटिंग्स ने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.4 फीसदी रह जाएगी, जो मार्च के अनुमान से 0.3 फीसदी कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य आधार बनी रहेगी और वास्तविक संदर्भ में आयात कम होने से शुद्ध बाहरी मांग इस वृद्धि में सकारात्मक योगदान देगी।

रिपोर्ट के मुताबिक उच्च मुद्रास्फीति और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से वास्तविक आय पर दबाव बढ़ेगा, जिससे उपभोक्ता खर्च प्रभावित होगा। यह प्रभाव विशेष रूप से वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही में ज्यादा दिखाई देगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और इसका असर भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। फिच ने ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत के अनुमान को बढ़ाकर 87 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 70 डॉलर प्रति बैरल था। इसके साथ ही पश्चिम एशिया संकट की वजह से 14 सप्ताह से बंद होर्मुज जलडमरूमध्य के जुलाई तक बंद रहने का ही अनुमान लगाया गया है।

हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस संकट के बावजूद भारत में महंगाई अभी ज्यादा नहीं बढ़ी है, लेकिन इस पर दबाव बढ़ रहा है। अप्रैल में थोक महंगाई दर 8.3 फीसदी और खुदरा महंगाठ दर 3.5 फीसदी रही। फिच रेटिंग ने अनुमान जताया कि साल के अंत तक महंगाई बढ़कर 5.3 फीसदी तक जा सकती है। इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी, आधार प्रभाव और संभावित कमजोर मानसून है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6 फीसदी रखा है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय अर्थव्यस्था 7.7 फीसदी की दर से बढ़ी है।

माइकल ओलिसे की हैट्रिक से फ्रांस ने उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराया

लिले। फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में सोमवार को फ्रांस ने माइकल ओलिसे की शानदार हैट्रिक की बदौलत उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ फ्रांस ने पिछले सप्ताह आइवरी कोस्ट के खिलाफ मिली हार से वापसी की, हालांकि टीम की रक्षात्मक कमजोरियां एक बार फिर सामने आईं। फ्रांस के लिए माइकल ओलिसे ने एक बार फिर अपनी अहमियत साबित की और विश्व कप से पहले टीम के सबसे प्रभावशाली आक्रमणकारी खिलाड़ियों में खुद को स्थापित किया।

मुख्य कोच दिदिए देशां ने इस मुकाबले में लगभग वही टीम उतारी, जिसे विश्व कप के पहले मैच में खेलने की संभावना है। ओलिसे ने किलियन एम्बाप्पे, उस्मान डेम्बेले और डिजायर डूए के पीछे खेलते हुए आक्रमण की कमान संभाली, जबकि रक्षा में विलियम सलीबा और दायोट उपामेकानो की जोड़ी उतरी। मुकाबले की शुरूआत में फ्रांस लय हासिल नहीं कर पाया और उत्तरी आयरलैंड की मजबूत रक्षात्मक रणनीति को तोड़ने में संघर्ष करता रहा। शुरूआती चरण में टीम को ज्यादा स्पष्ट मौके नहीं मिले।

पहला गोल पहले हाफ के समाप्त होने से दो मिनट पहले आया। बाएं छोर से डिजायर डूए के तेज आक्रमण के बाद गेंद डेम्बेले तक पहुंची। उनके शॉट पर डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद माइकल ओलिसे के सामने आ गई, जिन्होंने नजदीक से गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरूआत के चार मिनट बाद ओलिसे ने एक और गोल कर अंतर दोगुना कर दिया।

उत्तरी आयरलैंड की रक्षा गेंद को साफ नहीं कर सकी और ओलिसे ने हाफ-वॉली के जरिए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। हालांकि मैच पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद फ्रांस की रक्षापंक्ति फिर दबाव में दिखी।